अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 351 | लखनऊ, गुरुवार, 10 जुलाई 2025 | पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

वायु सेना का जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त दोनों पायलट की मौत

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान बुधवार दोपहर राजस्थान के चुरू के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गयी। वायु सेना ने कहा है कि यह विमान नियमित प्रशिक्षण उडान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में दोनों पायलट की मौत हो गयी। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच समिति गठित की गई है। वायु सेना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा , ल्ल भारतीय वायुसेना का एक जगुआर ट्रेनर विमान आज राजस्थान के चुरू के पास नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दोनों पायलटों की मौत हो गयी। किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुँचा है। भारतीय वायुसेना इस दुखद घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करती है और इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है।

भाजपा सरकार के लिये वृक्षारोपण अभियान सिर्फ एक इवेंट: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि वृक्षारोपण अभियान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के लिये एक और इवेंट के सिवा और कुछ नहीं है। श्री यादव ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार की माने तो अब तक वह 200 करोड़ से अधिक वृक्ष लगा चुकी है मगर यह नहीं बताया गया कि इतनी संख्या में वृक्षों के लिये जमीन का इंतजाम कहां से किया क्योंकि एक हजार एकड़ भूमि में एक लाख 24 हजार पेड़ लगते हैं तो भाजपा के दावे वाले पेड़ कहां लगेंगे। समाजवादी पार्टी की सरकार में पारिजात बरगद के पेड़ लगाए गये थे। मौसमी फल के पौधे लगाए गए थे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के किनारे पेड़ लगे हैं। भाजपाई नकल करते है पर अच्छा काम नहीं कर पाते।

कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए यूपी पुलिस तैयार : डीजीपी

लखनऊ। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सारी तैयारियां कर ली गई है। कवाड़िए को किसी प्रकार की समस्या न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया है। सुरक्षा के लिहाज से मार्गो पर सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन का उपयोग किया जाएगा। भारी वाहनों के लिए रूट डायवर्ट किया गया। होटल और ढाबों पर खाद्य सामग्री के दाम लिखे जाएंगे ताकि कावंड़ियों को समस्या न हो। ऐसी तमाम जानकारियों को अपने अधिनस्तों से साझा करते हुए पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने बुधवार को कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं।

हीटवेव को ग्रीनवेव में बदलने का हमने किया है काम : योगी

हमने आठ साल में लगाए 204 करोड़ पौधे, 5 लाख एकड़ में हुआ वनाच्छादन : सीएम

- जो अयोध्या कभी हो गई थी वीरान, आज वह त्रेतायुगीन वैभव की ओर है अग्रसर : मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को रामपुर हलवारा में सरयू नदी के किनारे त्रिवेणी वाटिका में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बरगद, नीम और पीपल के पौधे रोपकर इसे भगवान श्रीराम, धरती माता और जन्मदायिनी माता को समर्पित किया। अयोध्या की पवित्र भूमि पर आयोजित एक जनसभा में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ इस अभियान की महत्ता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व प्रगति की है। इस दौरान 204 करोड़ पौधों का रोपण किया गया, जिनमें से 75 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। इसके परिणामस्वरूप राज्य में 5 लाख एकड़ क्षेत्र में वनाच्छादन बढ़ा है।

सीएम योगी ने कहा कि हमने हीटवेव को ग्रीनवेव में बदला है। यह प्रयास न केवल पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहायक है, बल्कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु का उल्लेख करते हुए कहा कि पेड़ों में भी जीवन है और ये छाया, फल, मृदा संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को सीएम योगी ने धरती माता और जन्मदायिनी मां के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बताया। उन्होंने वैदिक उद्घोष 'माता भूमिः पुत्रो?हं पृथिव्याः' का उल्लेख करते हुए कहा कि एक सच्चा पुत्र वही है जो अपनी मां की सेवा और रक्षा करता है। इस अभियान के तहत प्रदेशवासियों ने सुबह 7 बजे से ही उत्साह के साथ पौधरोपण शुरू किया। योगी ने कहा कि यह अभियान वर्तमान को संवारने और भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है। पेड़ हमें प्रदूषण, सांस की बीमारियों और कार्बन उत्सर्जन के दुष्प्रभावों से बचाएंगे।

मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन को वैश्विक चुनौती बताते हुए कहा कि अतिवृष्टि, अनावृष्टि और बादल फटने जैसी घटनाएं अनियोजित विकास का परिणाम हैं। उन्होंने अमेरिका के टेक्सास में हाल ही में हुई एक घटना का जिक्र किया, जहां अचानक आई बाढ़ में सैकड़ों बच्चे लापता हो गए। सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि नियोजित और वैज्ञानिक प्रयासों से विकास और पर्यावरण संरक्षण में संतुलन स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि आठ साल पहले शुरू हुए इस अभियान में शुरुआत में केवल 5 करोड़ पौधे उपलब्ध थे, लेकिन वन विभाग, मनरेगा और निजी क्षेत्र के सहयोग से आज 52 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं।

पौधरोपण अभियान ने न केवल पर्यावरण को लाभ पहुंचाया, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया है। सीएम योगी ने बताया कि कार्बन फाइनेंसिंग के माध्यम से किसानों को प्रति पेड़ 6 डॉलर पांच साल तक दिए जा रहे हैं।

डबल इंजन की सरकार विकास में विश्वास करती है, विभाजन में नहीं : सीएम योगी

आज़मगढ़। जिले के सठियांव विकास खंड की ग्राम पंचायत केरमा में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे किनारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' थीम पर बुधवार को 'पौधरोपण महाभियान' के तहत पौधरोपण किया। इस दौरान आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए सीएम योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने बड़े-बड़े लोगों को चुनाव जिताकर यहां से भेजा, जिन्होंने सिर्फ परिवार का विकास किया। देश को भाषा और जाति के नाम पर बांटने का काम किया है। सीएम ने कहा कि जब मैं इस विराट अभियान के बारे में तो बात कर रहा हूं। तो मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि अयोध्या और उसके आसपास के जनपदों में भारी बारिश हो रही थी। इन सबके बावजूद वृक्षारोपण का लक्ष्य उत्तर प्रदेश के अंदर पूरा किया जा रहा है। सीएम योगी ने धरती माता और जन्मदायिनी मां के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बताया। उन्होंने वैदिक उद्घोष 'माता भूमिः पुत्रो?हं पृथिव्याः' का उल्लेख करते हुए कहा कि एक सच्चा पुत्र वही है जो अपनी मां की सेवा और रक्षा करता है। एक पेड़ मां के नाम अब तक 22 करोड़ से भी अधिक पौधों का रोपण उत्तर प्रदेश में किया जा चुका है। सीएम ने कहा कि यह धरती हमारी माता है, हम इसके पुत्र हैं। उन्होनें कहा कि अगर धरती माता स्वस्थ है तो हम सब स्वस्थ हैं, धरती माता अगर बीमार है, तो हम सब अस्वस्थ हैं।

उत्तर प्रदेश में 22 पीसीएस अफ़सर बने आईएएस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रांतीय प्रशासनिक सेवा (पीसीएस) के 22 अधिकारियों को प्रोन्नत किया है। प्रमोशन के बाद सभी को आईएएस बनाया गया है। प्रान्तीय सेवा के कोटे की रिक्तियों के आधार पर ये सभी अफसर पीसीएस से आईएएस बने हैं। प्रमोशन पाने वाले अफसरों में ख़ुशी की लहर है। शासन की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, सहारनपुर के अपर आयुक्त भानु प्रताप यादव, यूपीएसएसएससी के परीक्षा नियंत्रक विधान जायसवाल, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सचिव राजेश कुमार सिंह, सिद्धार्थनगर के सीडीओ बलराम सिंह, गौतमबुद्धनगर, विशेष कार्यधिकारी यमुना एक्सप्रेस–वे अथॉरिटी शैलेंद्र कुमार भाटिया, यूपीपीएससी के उप सचिव देवी प्रसाद पाल, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की सचिव अंजू लता को प्रोन्नति मिली है। इसी तरह दिव्यांगजन सशक्तीकरण निदेशालय के संयुक्त निदेशक जयनाथ यादव, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मुरादाबाद, गुलाब चंद्र, राम सुरेश वर्मा रण विजय सिंह अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) गाजियाबाद, अपर निदेशक (प्रशासन) कृषि और अपर मेला अधिकारी कुंभ मेला दयानंद प्रसाद को प्रमोशन दिया गया है। इसके अलावा यूपीपीएससी के उप सचिव विनोद कुमार गौड़, विवेक कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक मंडी परिषद सचिन कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व हाथरस बसंत अग्रवाल को प्रमोशन दिया गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व वाराणसी वंदिता श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व अयोध्या महेंद्र कुमार सिंह, बिजनौर के अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति) गौतमबुद्धनगर राजेश कुमार, उप निदेशक मंडी योगेंद्र कुमार और अपर निदेशक चिकित्सा शिक्षा निदेशालय नीलम को भी आईएएस काडर में प्रदोन्नत किया गया है।

भारत–नामीबिया संबंधों में नया अध्याय

- दोनों नेताओं के बीच हुई व्यापार, निवेश, खनिज संसाधन, रक्षा सहयोग, डिजिटल शिक्षा, हाइड्रोकार्बन जैसे मुद्दों पर व्यापक हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह के बीच बुधवार को प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता हुई। इसके बाद भारत और नामीबिया के बीच दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा नामीबिया सीडीआरआई और जीबीए जैसी अंतरराष्ट्रीय पहलों से जुड़ेगा। साथ ही घोषणा की गई कि इस साल के अंत तक नामीबिया में यूपीआई सेवाएं शुरु होंगी। नामीबिया की राजधानी विंडहोक स्थित स्टेट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह के बीच आज प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ता हुई। इसके बाद दोनों नेताओं की उपस्थिति में करारों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों देशों के बीच हुए करारों के तहत नामीबिया में उद्यमिता विकास केंद्र की स्थापना की जाएगी और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में दोनों देश सहयोग करेंगे। इसके अतिरिक्त नामीबिया ने सीडीआरआई (इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर रेजिलिएंस) और ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस में शामिल होने की स्वीकृति पत्र सौंपे। दोनों देश डिजिटल नवाचार की दिशा में भी आगे बढ़े हैं। भारत के यूपीआई प्रौद्योगिकी के पिछले साल हुए लाइसेंसिंग समझौते के परिणामस्वरूप इस साल के अंत तक नामीबिया में डिजिटल भुगतान प्रणाली शुरू की जाएगी।

दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक के दौरान व्यापार, निवेश, खनिज संसाधन, रक्षा सहयोग, डिजिटल शिक्षा, हाइड्रोकार्बन, सिविल न्यूक्लियर और पेट्रोलियम क्षेत्र जैसे मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की। एक एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, ल्लराष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा और उन्होंने आज अपनी वार्ता के दौरान भारत-नामीबिया संबंधों के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की। डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, सुरक्षा, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर हमारी चर्चा में प्रमुखता से चर्चा हुई।ङ्क इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी का स्टेट हाउस में औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। राष्ट्रपति नंदी-नदैतवाह ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

गुजरात पुल हादसा : कई वाहन नदी में गिरे, नौ की मौत

- केन्द्र व राज्य सरकारों ने मुआवजा देने की घोषणा की

एजेंसी

वडोदरा। राज्य में मध्य गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ने वाली महिसागर नदी पर बना पुल के अचानक ढहने से कई वाहन नदी में गिरने नौ लोगों की मौत हो गई है। जबकि आठ लोगों को बचा लिया गया। घटना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक जताया और प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को पचास-पचास हजार रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया। मुख्यमंत्रीभूपेन्द्र पटेल ने भी राज्य सरकार की ओर से भी मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख और घायलों को पचास-पचास हजार रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। मध्य गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ने वाली महिसागर नदी पर बना पुल लगभग 45 साल पुराना है। बुधवार सुबह यातायात के दौरान दो ट्रक, दो पिकअप और एक रिक्शा महिसागर नदी में गिर गए। पुल के टूटने और कई वाहनों के गिरने से मौके पर हाहाकर मच गया। घटना की जानकारी होने पर मुजपुर समेत आसपास के गांवों के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। मुजपुर गांव के ग्रामीण बचाव कार्य के लिए जुट गए और नदी में फंसे व बहते लोगों को कई लोगों को बचाया। इस हादसे में अभी तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 8 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पादरा पुलिस भी मौके पर पहुंची गई और शवों को निकाला। सुसाइड पॉइंट के रूप में बदनाम इस पुल के ढहने से आणंद, वडोदरा, भरूच और अंकलेश्वर का संपर्क टूट गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर गुजरात के वडोदरा जिले में एक पुल के ढहने से हुई जान-माल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने अपनी विदेश यात्रा के दौरान टेलीफोन पर बातचीत कर त्रासदी की जानकारी प्राप्त की। पुल हादसे पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने एक्स पर एक पोस्ट कर लिखा, आणंद और वडोदरा को जोड़ने वाला गंभीरा पुल के एक हिस्से के ढह जाने से हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। राज्य सरकार इस त्रासदी से प्रभावित प्रत्येक परिवार के साथ गहरी संवेदना के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की ओर से इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को चार लाख रुपये की सहायता देने का ऐलान किया। साथ ही, दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति को 50 हजार रुपये की सहायता देने के साथ ही सभी को चिकित्सा उपलब्ध कराने की बात कही।

आणंद के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ऋतुराज देसाई ने बताया कि गंभीरा पुल के पुनः खुलने तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है।

हापुड़ के लेखपाल ने किया आत्महत्या का प्रयास, योगी ने दिये जांच के आदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हापुड़। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में रिश्वत के कथित आरोप से तंग एक लेखपाल ने बुधवार को आत्महत्या का प्रयास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। धौलाना तहसील में तैनात लेखपाल सुभाष मीणा को भ्रष्टाचार के आरोप में जिलाधिकारी द्वारा निलंबित कर दिया गया था।

योगी ने मेरठ के मंडलायुक्त और पुलिस महानिरीक्षक को संयुक्त रूप से प्रकरण की निष्पक्ष रूप से गहन छानबीन कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ किया कि राज्य सरकार न तो किसी भ्रष्टाचार को बर्दाश्त करेगी, न ही किसी भी कर्मचारी के साथ अन्याय होने देगी। उन्होंने कहा कि प्रकरण की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी और सच्चाई के आधार पर ही आगे की कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि लेखपाल सुभाष मीणा पर खसरा-खतौनी की नकल के एवज में अवैध धन वसूली के आरोप लगे थे, जिस पर ग्रामीणों की शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी ने उन्हें निलंबित कर जांच के आदेश दिए थे। इस कार्रवाई के बाद मानसिक तनाव में आकर लेखपाल ने कथित रूप से जहर खा लिया, जिसके बाद परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

लखनऊ उच्च न्यायालय परिसर में हुआ पौधारोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ।''एक पेड़ माँ के नाम 2.0'' अभियान के तहत, गोमती नगर स्थित उच्च न्यायालय की लखनऊ खण्डपीठ के परिसर में वृहद पौधारोपण जन-महाभियान कार्यक्रम 2025 बुधवार को आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा। इस पौधारोपण कार्यक्रम में उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ के वरिष्ठ न्यायमूर्ति अताउ रहमान मसूदी व अन्य माननीय न्यायमूर्तिगण तथा न्यायालय के रजिस्ट्री अधिकारीगण भी सम्मिलित हुये। न्यायमूर्तिगण ने पौधों की अलग-अलग प्रजातियों जैसे चंपा, गुलाचीन, चाँदनी, मनोकामिनी इत्यादि पौधों का रोपण किया। यह कार्यक्रम वन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उपरान्त न्यायमूर्तिगण को मुख्य संरक्षक प्रमोद कुमार गुप्ता द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

एल्कोबेव सेक्टर से यूपी को 56 हजार करोड़ का राजस्व

- ISWAI ने जारी की अपनी पहली व्यापक रिपोर्ट, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में एल्कोबेव सेक्टर के योगदान को किया रेखांकित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने में एक्लोबेव सेक्टर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यूपी के एल्कॉहलिक बेवरेज उद्योग ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान मार्केट रेवेन्यु में 56 हजार करोड़ रुपए का योगदान दिया, जो राज्य के जीडीपी का 2.4 फीसदी है। इंटरनेशनल स्पिरिट्स एंड वाइन्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएसडब्ल्यूएआई) ने बुधवार को प्रदेश के एल्कॉहलिक बेवरेज (एल्कोबेव) उद्योग पर अपनी पहली व्यापक रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की है। बिल्डिंग पाथवेज फॉर फ्यूचर इन्वेस्टमेंट्स एंड ग्रोथः एल्कोलिक बेवरेजेस इंडस्ट्री इन उत्तर प्रदेश नाम की इस रिपोर्ट में राज्य की अर्थव्यवस्था, रोजगार, कृषि, पर्यटन और औद्योगिक विकास में एल्कोबेव उद्योग की बहुआयामी भूमिका को रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट के विमोचन के अवसर पर आबकारी विभाग के राज्य मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार आर्थिक विकास एवं सार्वजनिक कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रगतिशील एवं पारदर्शी एक्साइज़ प्रणाली के निर्माण की दिशा में प्रतिबद्ध है। आईएसडब्ल्यूएआई यूपी इकोनॉमिक रिपोर्ट 2025 नौकरियों के सृजन से लेकर गांवों की प्रगति एवं पर्यटन के विकास तक इस उद्योग के बहु-आयामी योगदान को दर्शाती है।

यह उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने के मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप भावी नीतियों को आकार देने में कारगर होगा। एक्साइज़ कमिशनर, डॉ आदर्श सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश ने एक्साइज़ डोमेन में बड़े एवं प्रगतिशील सुधार किए हैं। पारदर्शिता को अपनाकर, पारम्परिक एकाधिकार को समाप्त कर, डिजिटल प्रशासन और प्रतिस्पर्धी एवं निवेशक अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देकर प्रदेश ने दीर्घकालिक मूल्य सृजन की मजबूत नींव तैयार की है।

आईएसडब्ल्यूएआई के सीईओ संजीत पाधी ने कहा कि यह उद्योग राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उत्तर प्रदेश एक आर्थिक पावरहाउस के रूप में बदल रहा है और एल्कॉहलिक बेवरेज सेक्टर इस यात्रा में महत्वपूर्ण पार्टनर है।

आईएसडब्ल्यूएआई यूपी इकोनॉमिक रिपोर्ट 2025 उत्तर प्रदेश के एल्कोबेव उद्योग का पहला व्यापक अध्ययन है, जिसे एल्कोबेव कंपनियों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों और विश्वस्तरीय स्रोतों जैसे इंटरनेशनल वाइन एंड स्पिरिट रिसर्च (आईडब्ल्यूएसआर) के सहयोग से विकसित किया गया है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने वृक्षारोपण महाअभियान का आगाज किया

● पीपल, नीम और बरगद के पौधे रोपे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम थीम पर आज पूरे प्रदेश में 37 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे। इस वृक्षारोपण महा अभियान-2025 में लखनऊ की भूमिका बेहद खास है। यहां डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कुकरैल जंगल में पौधारोपण कर महा अभियान का आगाज किया। उन्होंने पीपल, नीम और बरगद के पौधे रोपे। इस अभियान में लखनऊ मंडल से सबसे अधिक पौधारोपण किए जाने का लक्ष्य है। वन, वन्यजीव और पर्यावरण विभाग के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थाएं, सरकारी कार्यालय, सामाजिक संगठन और आमजन मिलकर राजधानी पौधे रोपेंगे। वन विभाग की ओर से अकेले 14 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य है। इस मौके पर ब्रजेश पाठक ने कहा कि सीएम योगी के आह्वान पर वृक्षारोपण का महा अभियान चल रहा है। पीएम मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का निर्देश दिया है। हर गांव-शहर में पेड़ लगाए जा रहे हैं। सीएम योगी खुद 3 जगहों पर पौधारोपण करेंगे। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं से वृक्षारोपण करने की अपील की। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि बिहार में आरजेडी और कांग्रेस ने जंगलराज कायम किया था। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीजेपी राजग ने विकास के एजेंडे पर बिहार को आगे बढ़ाया है। बिहार में कानूनदृव्यवस्था के एजेंडे को आगे बढ़ाने काम किया है। बिहार में प्रचंड बहुमत के साथ राजग की सरकार बनने जा रही है। कुकरैल जंगल महा अभियान का मुख्य केंद्र है। यहां डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्वयं पौधारोपण किया। सामजिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने पौधे रोपे। लखनऊ के स्कूल, कॉलेज, ऑफिस और संस्थाएं आज आधे दिन पौधरोपण को समर्पित रहेंगी।

बहन-बेटियों को बहकाने वालों का बुरा हश्र होगा

● ब्रजेश पाठक बोले, छांगुर जैसे लोग समाज के लिए कलंक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने यूपी में धर्मांतरण गैंग के मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को समाज के लिए कलंक बताया।

उन्होंने कहा कि ऐसे लोग बहन-बेटियों को बहला-फुसलाकर समाज विरोधी गतिविधियों में शामिल कर रहे हैं। ये किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। सरकार इस तरह के लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। ऐसे व्यक्तियों को प्रदेश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। उत्तर प्रदेश में बहन-बेटियों को बुरी नजर से देखने वालों का हश्र बहुत बुरा होगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि नारी सुरक्षा के रास्ते में आने वाले हर व्यक्ति को सख्त सजा मिले। छांगुर बाबा के अवैध निर्माण पर प्रशासन द्वारा बुलडोजर चलाया गया। यह कार्रवाई सरकार के उस रुख को दर्शाता है, जहां महिला सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या मानसिक शोषण को बिल्कुल भी सहन नहीं किया जाएगा। ब्रजेश पाठक ने आज कुकरैल जंगल में वृक्षारोपण महा अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता प्रदेश को सुरक्षित बनाना है। हम किसी भी अपराधी को बख्शने वाले नहीं हैं, चाहे उसका भेष साधु का हो या कुछ और। जो बहन-बेटियों की अस्मिता से खिलवाड़ करेगा, उस पर बुलडोजर जरूर चलेगा। ब्रजेश पाठक ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वे ऐसे ढोंगी बाबाओं से सावधान रहें, जो धर्म की आड़ में अपना निजी स्वार्थ साधते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को भी इस तरह की गतिविधियों की जानकारी हो तो वह प्रशासन को सूचना दे।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा मुखिया फ्रस्ट्रेशन और तनाव में हैं। यूपी की बदलती तस्वीर उन्हें हजम नहीं रही है। अखिलेश को गुंडाराज, अराजकता, भ्रष्टाचार चाहिए। सपा सरकार ने बेईमानी, अत्याचार और दंगों का प्रतिमान स्थापित किया था। सपा सरकार ने दंगों, हत्या, लूट, रेप, प्लाट-मकान कब्जे का रिकार्ड बनाया था। अखिलेश को अपने समय की अखबार की कटिंग देखनी चाहिए। उन्हें वो वीडियो देने चाहिए, जिसमें पुलिस ऑफिसर भी सपाई गुंडों द्वारा पीटे जाते थे।

संक्षिप्त समाचार

वेतन विसंगति दूर करने की मांग को लेकर नगर निगम और जलकल विभाग का प्रदर्शन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के बैनर तले कर्मचारियों ने नगर निगम और जलकल विभाग में धरना-प्रदर्शन किया। इस मौके पर नगर निगम और जलकल विभाग में दोपहर तक काम नहीं किया गया। मौके पर कर्मचारियों ने नगर निगम मुख्यालय में ताला बंदी कर दी। कर्मचारियों ने इस दौरान जमकर नारे बाजी की है। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शशि मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के नगर निगमों और स्थानीय निकायों में कार्यरत कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। अकेंद्रित सेवा नियमावली की कमी, वेतन विसंगतियों, पदोन्नति में देरी और विनियमितिकरण न होने से कर्मचारी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि एकल सेवा नियमावली बनाकर लिपिक, राजस्व और अन्य संवर्गों में समयबद्ध पदोन्नति और वेतन विसंगतियों का समाधान हो। लिपिक संवर्ग में कनिष्ठ सहायक (ग्रेड पे 2000), वरिष्ठ सहायक (ग्रेड पे 2800), प्रधान सहायक (ग्रेड पे 4200) जैसे पदों पर कम से कम तीन पदोन्नति सुनिश्चित की जाए। 2001 तक सेवारत दैनिक वेतन, संविदा और तदर्थ धारा-108 कर्मचारियों का विनियमितिकरण शासनादेश (24 फरवरी 2016 और 16 दिसंबर 2021) के तहत अभी तक नहीं हुआ। नगर विकास विभाग से इसे लागू करने की मांग। टैक्स कलेक्टर, मोहर्रिर जैसे 9 कैडर का समायोजन कर राजस्व निरीक्षक श्रेणी- 2 में पदोन्नति हो। 50: पद अकेंद्रित सेवा से और 50: सीधी भर्ती से भरे जाएं। सफाई कर्मचारी, चालक, माली, लेखा, शिक्षा और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को शैक्षिक योग्यता के आधार पर तीन पदोन्नति के अवसर मिलें। कंप्यूटर ऑपरेटर संवर्ग का गठन कर उचित वेतन और पदनाम दिया जाए। पंडित दीन दयाल उपाध्याय कैश लेस इलाज व्यवस्था निकाय कर्मचारियों पर लागू करने की मांग की गई। सभी संवर्गों के मृतक आश्रितों की शैक्षिक योग्यता के आधार पर नियुक्ति देने की मांग उठाई गई। 1990 से रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति करने, 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने का मुद्दा उठाया गया। इस मौके पर निकायों में बेहतर कार्यप्रणाली और कर्मचारियों को विधान परिषद निर्वाचन में मतदान का अधिकार मिलने,आउटसोर्सिंग कर्मचारी की भर्ती नीति, सेवा सुरक्षा और न्यूनतम वेतन की व्यवस्था देने की मांग हुई।

प्रदेश में पहली बार आबकारी विभाग की इन्वेस्टर समिट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पहली बार आबकारी विभाग की ओर से आज इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि विभाग ने अब तक 40,000 करोड़ रुपए के निवेश समझौते (एमओयू) किए हैं, जिनमें से 8,000 करोड़ की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं। शेष निवेश परियोजनाओं को गति देने की दिशा में विभाग तेजी से काम कर रहा है।मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि यह पहला मौका है जब उत्तर प्रदेश में आबकारी विभाग अपनी इन्वेस्टर समिट कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बहुत बड़े स्तर पर एमओयू साइन किए गए हैं और हमारा विभाग प्रदेश की इकोनॉमी मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि जो निवेशक अब तक जमीन पर काम शुरू नहीं कर पाए हैं, उन्हें अब सरकार की ओर से सुविधाएं दी जाएंगी। हमारे 40,000 करोड़ के एमओयू में से 8,000 करोड़ की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। बाकी जो निवेशक अभी इंतजार में हैं, उन्हें अब पूरी मदद दी जाएगी। इसके अलावा जो उद्योग प्रदेश में आना चाहते हैं, उन्हें भी मौका दिया जाएगा। इस बार कुछ नए निवेशकों को भी आमंत्रित किया गया है ताकि उन्हें प्रदेश में मौजूद संभावनाओं से अवगत कराया जा सके। इन्वेस्टमेंट के साथ-साथ राज्य की जीडीपी भी बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि ल्लअभी एक्जैक्ट फिगर देना मुश्किल है। एक बार कार्यक्रम पूरा हो जाए, उसके बाद ही हम तय कर पाएंगे कि कितना इन्वेस्टमेंट आया है। हमें उम्मीद है कि करीब 2000 करोड़ के आसपास एमओयू साइन होंगे। जो निवेशक किसी भी समस्या से जूझ रहे हैं, उनके मुद्दों का समाधान भी इसी समिट में किया जाएगा, ताकि निवेश की राह आसान हो सके।

सिविल अस्पताल में लोगों को चाय-नाश्ता कराया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मदद करने के लिए वजह की नहीं, इंसानियत की जरूरत है। और ये बात चरितार्थ की है लायंस क्लब सेंचुरी की सदस्यों ने अपने सेवा कार्य के जरिए। क्लब की सदस्यों ने बुधवार को सिविल अस्पताल में लगभग 100 लोगों और तीमारदारों को चाय नाश्ता कराया है। ये जानकारी देते हुए क्लब की प्रवक्ता अलका भट्टाचार्य ने कहा कि हम सब लायन इंटरनेशनल के सदस्य हैं जो कि सारे विश्व में फैली हुई है। हम लोगों ने गरीबी रेखा से नीचे रहने सिविल अस्पताल में आने वाले लोगों और तीमारदारों को चाय नाश्ता कराकर उनकी प्रसन्नता का अनुभव किया। इस कार्य से लगभग 100 लोग लाभान्वित हुए। इस अवसर पर लायन अलका भट्टाचार्य, लायन सुधा द्विवेदी और क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बिजली के निजीकरण को लेकर लखनऊ में प्रदर्शन, शक्ति भवन के बाहर जुटे प्रदर्शनकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर आज लखनऊ के शक्ति भवन के बाहर बिजली के निजीकरण के विरोध प्रदर्शन किया। इसमें बड़ी संख्या में बिजली कर्मी और कई ट्रेड यूनियन शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पूरे देश में करीब 27 लाख बिजली कर्मचारी और अभियंता एक दिन की सांकेतिक हड़ताल पर हैं। उत्तर प्रदेश में एक लाख से अधिक कर्मचारी, संविदा कर्मी और अभियंता कार्यस्थलों के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन का मकसद बिजली कंपनियों के निजीकरण के विरोध में केंद्र और राज्य सरकार पर दबाव बनाना है। अभियंता संघ के महासचिव जितेन सिंह गुर्जर बताया की शक्ति भवन के बाहर हजारों की संख्या में बिजली कर्मचारी निजीकरण का विरोध कर रहे हैं। इनका एक ही उद्देश्य है जो बिजली निजीकरण हो रहा है उसके प्रस्ताव को तत्काल निरस्त किया जाए। हमारा ऊर्जा मंत्री और प्रबंधन से सवाल है कि वह बिजली निजीकरण क्यों कर रहे हैं? जबकि बिजली निजीकरण होने से आम जनता की जेब पर भार पड़ेगा और बिजली की दरें महंगी हो जाएगी। 6.50 पैसे में मिलने वाली बिजली की यूनिट 12 से 13 रुपए यूनिट हो जाएगी। किसानों को मिलने वाली फ्री बिजली की व्यवस्था भी खत्म हो जाएगी। 26000 सरकारी पद इस निजीकरण से समाप्त हो रहे हैं। 50000 संविदा कर्मचारी निकाला जा रहा है। सरकार उपभोक्ताओं का निजीकरण नहीं है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश यादव ने बताया कि सरकार पहले एयरपोर्ट बस सहित कई योजनाओं को निजी हाथों में दे चुकी है। आप उसका ध्यान बिजली पर है। हम किसान यूनियन इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। देश की गाड़ी कमाई को बर्बाद करने का काम यह सरकार कर रही है। इसलिए आज पूरे देश के कर्मचारी और किसान मजदूर सड़क पर हैं। एक न एक दिन हम लोग सरकार को झुकाने का काम करेंगे। संयुक्त संघर्ष समिति के मुताबिक, इस आंदोलन को किसानों, उपभोक्ताओं और तमाम ट्रेड यूनियनों का समर्थन मिला है। यही वजह है कि हड़ताल के बावजूद बिजली आपूर्ति बाधित नहीं होने दी जाएगी। सभी जिलों में आपात सेवाओं के लिए कंट्रोल रूम और ऑप्शनल व्यवस्थाएं तैयार कर ली गई हैं। हड़ताल में सिर्फ बिजली विभाग ही नहीं बल्कि रेलवे, बैंक, बीमा, बीएसएनएल, पोस्टल, केंद्रीय व राज्यकर्मी भी शामिल हैं। संयुक्त किसान मोर्चा ने भी इस आंदोलन का समर्थन करते हुए 4 श्रम संहिताओं को रद करने, न्यूनतम वेतन 26,000 करने, ठेका प्रथा खत्म करने और सार्वजनिक सेवाओं के निजीकरण पर रोक लगाने की मांग की है।

दोस्तों के साथ चाय पीते वक्त युवक पर चाकू से हमला एक आरोपी हिरासत में

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम जलालपुर फाटक के पास मंगलवार शाम चाय की दुकान पर बैठे युवक पर बदमाशों ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात में युवक के सिर, नाक, कंधे और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। युवक दोस्तों के साथ चाय की दुकान पर मौजूद था। उसी दौरान शुभम सिंह, किशन सिंह, शोभित पाल और उनके दो अन्य साथी वहां पहुंचे और युवक पर धारदार चाकू से हमला बोल दिया। हमला इतना अचानक और तेज था कि युवक को संभलने का मौका नहीं मिला। उसके दोस्त किसी तरह उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। घायल की पहचान मोहम्मद यूनुस पुत्र मोहम्मद इरफान निवासी बलदेव दास के पास, पुराना हैदरगंज के रूप में हुई है। पीड़ित के चाचा सुफियान गाजी ने बुधवार दोपहर हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

यह कैसा रामराज्य है? बंद करो पाठशाला, खोलो मधुशाला स्कूल मर्जर पर सपा का पोस्टर वार, सरकार पर तीखा कटाक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को मर्ज (विलय) करने के फैसले पर सियासी घमासान तेज हो गया है। जहां एक ओर सरकार इस कदम को शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में उठाया गया निर्णय बता रही है, वहीं दूसरी ओर शिक्षक संगठन और विपक्षी दल इस पर खुलकर विरोध जता रहे हैं। हालांकि इस मुद्दे पर सरकार को तब राहत मिली जब हाईकोर्ट ने स्कूल मर्जर के खिलाफ दाखिल याचिका को खारिज कर दिया। इसके बावजूद शिक्षकों का आंदोलन जारी है और अब यह मामला राजनीतिक रंग भी पकड़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी ने अब इस मुद्दे पर पोस्टर वार छेड़ दिया है। लखनऊ में सपा के प्रदेश कार्यालय के बाहर एक बड़ा सा पोस्टर लगाया गया है, जो राहगीरों से लेकर नेताओं और छात्रों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पोस्टर में सरकार पर तीखा कटाक्ष किया गया है। इसमें लिखा है यह कैसा रामराज्य है? बंद करो पाठशाला, खोलो मधुशाला! इस पोस्टर को अमेठी के सपा नेता जय सिंह प्रताप यादव ने लगवाया है। इससे पहले भी सपा ने सरकार की इस नीति पर कई बार सवाल उठाए हैं। वहीं बहुजन समाज पार्टी भी इस मुद्दे पर विरोधी रुख अपना चुकी है। बीएसपी प्रमुख मायावती पहले ही घोषणा कर चुकी हैं कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो स्कूल मर्जर का यह निर्णय रद्द कर दिया जाएगा। शिक्षक संगठनों का कहना है कि यह फैसला शिक्षा के अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। दूसरी ओर सरकार का तर्क है कि कम छात्र संख्या वाले स्कूलों को मर्ज करने से संसाधनों का समुचित उपयोग होगा और शिक्षकों की उपलब्धता बढ़ेगी। लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर लगा पोस्टर न केवल राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी इसकी तस्वीरें वायरल हो रही हैं। जनता के बीच इस मुद्दे को लेकर बहस तेज हो गई है कृ कुछ लोग सरकार की नीति को समर्थन दे रहे हैं, तो कई इसे ग्रामीण शिक्षा पर चोट मान रहे हैं।

बिहार में इंडी ठगबंधन की हार तय, तेजस्वी यादव की उड़ी नींद: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इंडी गठबंधन पर हमला बोला है। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची की जाँच पर सवाल उठाने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव की आलोचना की है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि इंडी ठगबंधन की बिहार बंद की घोषणा से साफ है, विपक्ष की बौखलाहट चरम पर है। 'चोर की दाढ़ी में तिनका' और 'चोर मचाए शोर' ये कहावतें आज पूरी तरह चरितार्थ हो गई हैं। बिहार चुनाव में ठगबंधन को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है। एनडीए की जीत और इंडी ठगबंधन की हार तय है। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची की जाँच के संवैधानिक आदेश से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नींद उड़ गई है। संविधान विरोधी गतिविधियों के ज़रिए बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान किया जा रहा है, जिसे बिहार की जनता कतई सहन नहीं करेगी।

बुद्धेश्वर मंदिर तालाब में जहर डाला, कई क्विंटल मछलियां मरीं

● कुत्ते ने खाया तो वो भी मरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पारा थाना क्षेत्र स्थित बुद्धेश्वर मंदिर के तालाब में अज्ञात लोगों ने जहर डाल दिया। इससे तालाब की मछलियां मर गईं। कई क्विंटल मरी मछलियां तलाब से बाहर निकाली गईं। मरी हुईं मछलियों को खाने से एक कुत्ता भी मर गया। तालाब के पास से जहर की तीन शीशियां मिलीं। मंदिर के तालाब में जहर डाले जाने से लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। जहर की शीशियों को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेजा। लोगों ने कहा कि मंगलवार रात में तालाब में अचानक मछलियां उतराने लगीं। इसकी सूचना क्षेत्र में फैल गई। लोग मौके पर जुट गए। कुछ युवकों ने तालाब में उतरकर देखा, तो मछलियां मर गई थीं। इसकी पुलिस और नगर निगम की टीम को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन नगर निगम की टीम नहीं आई। रात में लोगों ने तालाब से मरी हुईं मछलियों को बाहर निकालकर किनारे रख दिया। बुधवार सुबह मरी हुईं मछलियों को खाने से एक कुत्ता मर गया। इस पर मरी हुईं मछलियों को गड्ढा खोदकर मिट्ट्टी में दबा दिया गया। बुधवार दोपहर तक भी नगर निगम की टीम नहीं पहुंची। लोगों ने बुधवार को भी तालाब से मरी और जिंदी मछलियां निकालीं। जीवित मछलियों को पानी भरे ड्रम में रखा गया। लोगों ने तालाब में जहर डालने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मौके पर मौजूद फ़ेयरी टेल्स फाउंडेशन की अध्यक्ष नेहा ने बताया कि रात में करीब 8 बजे किसी ने तालाब में जहर डाल दिया। रातभर में तड़प-तड़पकर मछलियां मर गईं। सुबह इसकी जानकारी हुई तो मछलियों को बाहर निकाला गया। मछलियों को जहर देकर मारा जाना बेहद शर्मनाक घटना है। साथ ही लापरवाही भी उजागर हुई है। तालाब में कोई व्यक्ति जहर डालकर चला गया और किसी ने देखा तक नहीं। इससे सुरक्षा-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नेहा ने कहा कि इस मंदिर में लोगों की बहुत आस्था है। बड़ी संख्या में लोग पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। नेहा ने बताया कि घटना की जानकारी पुलिस को भी दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की है। तालाब में जहर डालने वाले के बारे में जानकारी जुटा रही है। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना देने के घंटों बाद नगर निगम की टीम नहीं पहुंची। इससे नगर निगम के अधिकारियों के लापरवाही सामने आई है।

राजधानी में एआई कैमरों से पकड़े जाएंगे छुट्टा जानवर

● मेयर बोलीं, डॉग शेल्टर बनेगा, नो पार्किंग की गाड़ियों को नगर निगम टो करेगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आवारा कुत्तों की समस्या से समाधान दिलाने के लिए नगर निगम शेल्टर होम बनाएगा। मेयर ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छुट्टा जानवरों को एआई कैमरे से पकड़ा जाएगा। इसके साथ ही घर से कूड़ा अलग करने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। शहर में नगर निगम की तरफ से ट्रैफिक से निजात दिलाने के लिए क्रेन चलाई जाएगी। इससे सड़क पर गलत ढंग से खड़े वाहनों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई होगी। मेयर का कहना है कि 20 दिनों में यह कार्रवाई शुरू होगी। नो पार्किंग जोन में खड़ी गाड़ियों पर जुर्माना लगेगा। यह काम नगर निगम की तरफ से एक संस्था को दिया जाएगा। इससे हजरतगंज, गोमतीनगर, चारबाग, महानगर समेत पूरे शहर में नो पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। पहले 1200 रुपए जुर्माना लगता था। अब इसे बढ़ाने की भी तैयारी है। मेयर ने कहा कि गुरुग्राम के सेमिनार में लखनऊ का प्रतिनिधित्व किया। इसमें चार शहरों के मॉडल देखे गए हैं, जिनकी सुविधाएं आने वाले दिनों में शहर में लागू की जाएंगी। इसके लिए जरूरी विचार विमर्श किया जाएगा। मेयर ने कहा कि 10 जुलाई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के जन्मदिन पर शहर में सुबह 6 बजे से 8 बजे तक लखनऊ में नगर निगम स्वच्छता अभियान चलाएगा। जोनल रैंक के अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी दी जाएगी। शहर को साफ करके रक्षा मंत्री को उपहार देंगे। यह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की कर्मभूमि है। इसे आगे बढ़ाने का काम रक्षा मंत्री कर रहे हैं। इसके बाद सप्ताह के एक दिन एक जोन में सफाई अभियान चलाया जाएगा। मेयर ने कहा कि हम शहर में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट अगले 6 महीने में लगाएंगे। अपर नगर आयुक्त ललित कुमार ने बताया कि हमने लखनऊ में सूरत, पुणे, विशाखापटनम और इंदौर के साथ हमने एक्सपीरियंस शेयर किया है। हम उन शहरों की बेहतर चीजों को अपने यहां भी लागू करेंगे।

मांगलिक पूजन अर्चन के साथ किया पौध रोपण का आरम्भ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालयए हरदोई के प्रांगण में सामाजिक वानिकी वन एवं वन्य जीव प्रभागए हरदोई द्वारा वृक्षारोपण महाअभियान-2025 एक पेड़ माँ के नाम-2.0 अभियान के अन्तर्गत मुख्य अतिथि रजनी तिवारी राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश द्वारा पौध रोपण किया गया। मुख्य अतिथि रजनी तिवारी राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 निखिलेश शरण, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, हरदोई, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती, अशोक सिंह अध्यक्ष जिला कोआपरेटिव बैंक, हरदोई, सान्या छावड़ा मुख्य विकास अधिकारी हरदोई, नीरज कुमार जादौन पुलिस अधीक्षक हरदोई, जे0बी0 सैंडे, स0व0 वन एवं वन्य जीव प्रभाग, हरदोई द्वारा मांगलिक पूजन अर्चन के साथ पौध रोपण का आरम्भ किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य, नमामि गंगें अभियान के स्वयंसेवकए कृषक बन्धु, महाविद्यालय की छात्र-छात्रायें, एन0सी0सी0 के कैडेट्स, महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने पौध रोपण किया। मंत्री ने संकल्प से सिद्धि तक कार्य करने के लिए छात्र-छात्राओं का आह्वाहन किया, उन्होंने बताया कि पौधों के रोपण के साथ.साथ जरूरत इस बात की है कि उन पौधों की देखरेख की जाये। उनके साथ माँ की तरह की ममता रखी जाये तभी यह अभियान सही अर्थो में सफल होगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के 26 विभाग आज 37 करोड पौध रोपण के लक्ष्य पर लगातार लगे हुये हैं। उन्होंने मंच से सभी विभागों को लक्ष्य की सम्पूर्ण प्राप्ति हेतु निर्देशित किया। प्रभागीय निदेशक, स0व0 वन एवं वन्य जीव प्रभाग, हरदोई, जे0बी0 सैंडे ने सभी गणमान्य अतिथियों का अभिवादन किया एवं अभियान की विशिष्टताओं से सभी को परिचित कराया। मुख्य विकास अधिकारीए हरदोई, सान्या छावड़ा ने बताया कि पौधे के रोपण के बाद उसको पलता-बढ़ता देख हमारे मन में वैसा ही संतोष होता है जैसा कि एक माँ को अपने शिशु के पालन पोषण में होता है। जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती प्रेमावती ने अपने उद्बोधन में कहा कि वृक्ष हमें जीवन पर्यन्त अमूल्य निधियों देता रहता है पर वापस में हमसे कुछ नहीं माँगता हैए हमें भी वनों के प्रति ऐसी ही भावना रखने की जरूरत है। भारतीय जनता पार्टीए हरदोई ईकाई के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने एक पेड माँ के नाम-2.0 अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। उपप्रभागीय वनाधिकारी, हरदोई प्रमोद कुमार द्वारा आगत अतिथियों का प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया। राज्यमंत्री रजनी तिवारी द्वारा पौध भण्डारे से विभिन्न प्रजातियों के पौधें मुख्य रूप से फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों को छात्र-छात्राओं तथा कृषक बन्धुओं को भेंट किये गये। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 अजित आनन्दमणि द्वारा मंच का संचालन किया गया एवं डॉ0 दिलप्रीत कौर सहायक प्रोफेसर-जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा आगत अतिथियों का आभार ज्ञापन किया गया।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या से एक पेड़ माँ के नाम 2.0 थीम के साथ वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री द्वारा एक दिन मे 37 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर वृक्षारोपण अभियान मे जनपद हरदोई की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती के नेतृत्व मे जिला पंचायत परिसर मे वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रेमावती ने अपनी स्मृतिशेष माता के नाम से परिसर मे विभिन्न छायादार व् औषधीय वृक्षों की पौध रोपित करए पर्यावरण संरक्षण व् संवर्धन का सन्देश दिया। कार्यक्रम मे वृक्षारोपण अभियान के महत्त्व पर चर्चा करते हुए अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। एक पेड़ माँ के नाम संकल्प के साथ रोपे जा रहे पौधे न केवल पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि प्रकृति व् मातृभूमि के प्रति हमारी अगाध श्रद्धा का पर्याय है। प्रकृति संरक्षण की यह पहल, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित व स्वस्थ भविष्य की नींव रखेगी। वृक्षारोपण कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से क्षेत्रीय महामंत्री भाजपा अवध क्षेत्र अनु मोर्चा पीके वर्मा, अपर मुख्य अधिकारी प्रदीप कुमार गुप्ताए जिला पंचायत परिवार व् क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

इसी तरह ज़िला सैनिक कल्याण कार्यालय में वीरांगना सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान एवं संकल्प 1000 द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वृक्ष भंडारे का शुभारंभ सुख सागर मिश्र मधुर नगर पालिका अध्यक्ष हरदोई एवं कैप्टन अशोक अग्निहोत्री अध्यक्ष हरदोई पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन ने दीप प्रज्वलन कर किया एवं मधुर मिश्रा व सुहाना जैन ने सैनिक कल्याण कार्यालय के परिसर में एक पेड़ माँ के नाम रोपित किया और कहा कि पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण अति आवश्यक है। प्रकृति से हमे सभी चीजे मिलती है, हमें भी प्रकृति के संरक्षण का प्रयास करना चाहिए। वृक्ष भंडारे में आम, जामुन, पकरी, सहजन, अमरूद, सागौन आंवला, नींबू, गोल्डमोहर सहित अनेक छायादार और फलदार पौधों का वितरण किया गया। सभी से पौधों के संरक्षण की शपथ का संकल्प पत्र भी भरवाया गया। संकल्प 1000 के संस्थापक श्याम जी गुप्ता ने बताया कि टीम का यह 24वाँ वृक्ष भंडारा है। रहागीरों को भी पौधे वितरित किये गए। राहगीरों ने इस पहल को अनूठा बताते हुए इसकी सराहना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से योग शिक्षिका विनीता पाण्डेय, हवलदार पुष्पेंद्र बहादुर सिंह, वेद प्रकाश फ़ौजी, देवेश अवस्थी फ़ौजी, गया प्रसाद, खेमकरण, राजेंद्र सिंह सोमवंशी, रामेंद्र सिंह, सतीश दीक्षित, अनीता, मधु, सुधा, संजू, निर्मल गुप्ता, अखिलेश गुप्ता सहित तमाम गणमान्य लोग व अनेकों पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधे का रोपण

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर वन कामीपुर स्थित त्रिवेणी वाटिका में मंडलायुक्त रोशन जैकब ने पौधा रोपण महाअभियान 2025 का शुभारंभ किया। उन्होंने श्एक पेड़ मां के नामश् अभियान की शुरुआत करते हुए इसे भावनात्मक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी बताया। मंडलायुक्त ने कहा कि यह अभियान भावी पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित पर्यावरण देने का प्रयास है।

उन्होंने उपस्थित लोगों को पौधे वितरित किए। साथ ही उन्होंने पौधों के संरक्षण पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अनुनय झा, उप जिलाधिकारी डॉ० अरुणिमा श्रीवास्तव और एडीएम प्रफुल्ल त्रिपाठी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। ग्राम प्रधान कामीपुर रेखा सिंह और कटियामऊ की प्रधान सुशीला देवी ने भी पौधरोपण में हिस्सा लिया। नगर वन के विकास में बजट की कमी को देखते हुए जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को मनरेगा और क्षेत्र पंचायत निधि से विकास कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा कि नगर वन प्राकृतिक प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिक, अधिवक्ता और पत्रकार भी शामिल हुए। सभी वर्गों की भागीदारी ने इस अभियान को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का प्रतीक बना दिया।

इसी क्रम में वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत डॉक्टर राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय अलीपुर हरदोई में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें करौंदा गुलमोहर अनार अमरूद आदि के वृक्ष रोपित किए गए इस अवसर पर डॉक्टर शशिकांत पांडे ने बताया कि वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न अंग है इससे हमें ऑक्सीजन तथा विभिन्न प्रकार के फल व औषधियां प्राप्त होती हैं जिस पर हमारा जीवन निर्भर करता है अत: हमें वृक्ष लगाने चाहिए तथा उनका संरक्षण करना चाहिए.इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने पौधे रोपित किये तथा अपने द्वारा रोपित किए हुए पौधों को संरक्षित सुरक्षित रखने का वचन लिया श्री आनंद सर एडॉक्टर रश्मि द्विवेदी एवैष्णवी एसुमन एशुभम मिश्रा ए शिवम शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

समाज सेविका शालिनी सिंह ने किया वृक्षारोपण

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जनपद की प्रसिद्ध समाजसेवी का शालिनी सिंह ने प्रकृति को हरा भरा बने रहने के उद्देश्य से आज 9 जुलाई को सरकार के अभियान में सहयोग करते हुए पांच वृक्ष लगाए उन्होंने कहा कि पौधारोपण से प्रकृति हमेशा संरक्षित रहेगी और हमारा धर्म है कि हम धरती को हरित क्रांति से जोड़े इस अवसर पर उन्होंने सभी को पौधारोपण करने की अपील की और पांच पौधे लगाए।

विधायक ने विद्यालय में किया वृक्षारोपण

सवायजपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शासन द्वारा चलाए जा रहे वृहद वृक्षारोपण अभियान एक पेड मां के नाम के तहत विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने विधानसभा क्षेत्र सवायजपुर के कस्बा सवायजपुर स्थित जूनियर हाईस्कूल प्रांगण में स्कूली बच्चों के साथ मिलकर आम अमरूद वरगद सहित आदि विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर सभी ग्राम पंचायत में भाजपा कार्यकर्ताओ प्रधानों तथा समाज सेविओं द्वारा वृहद वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश ब्लॉक प्रमुख संघ अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेनानी खण्ड विकास अधिकारी अशोक द्विवेदी खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ सुनील कुमार सिंह राजेश दीक्षित राजन सिंह सहित अन्य प्रमुख लोग व शिक्षक गण उपस्थित रहें।

एक पेड़ मां के नाम

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत लायंस क्लब हरदोई विशाल द्वारा इंडस्ट्रियल एरिया के पार्क में 21 पौधे रोपित किए गए इसमें मुख्य रूप से आंवला, कैथा, जामुन, नीम और पीपल के पौधे लगाए गए इस कार्यक्रम में लायंस क्लब के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने बताया आने 1 माह के अंदर लगभग 1000 पौधों का संकल्प लेकर पौधे आरोपित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में रीजन चेयरपर्सन गौरव भदौरिया जिला कैबिनेट सचिव अखिलेश गुप्ता, अनुराग मिश्रा अनूपपुरी, श्रवण कुमार राही, भानु सिंह, श्याम जी गुप्ता, कुलदीप शर्मा आदि सदस्य मौजूद रहे।

माताओं, किसानों और संन्यासियों के नाम लगाए गए पौधे

हरियावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकास खंड में वृक्षारोपण जन अभियान 2025 की शुरुआत हो गई है। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत मदरावां और कुरसेली में विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एक पेड़ माँ के नाम की अनूठी पहल की गई। इसके साथ ही गरीब किसानों और संन्यासियों के नाम भी पौधे लगाए गए। स्थानीय प्रशासन ने छायादार और फलदार पौधों का चयन किया.कार्यक्रम में प्रतिनिधि ब्लॉक प्रमुख शशांक सिंह और मुनेंद्र सिंह हरियावां प्रधान राजा बेटाए ओम प्रताप सिंह भोले सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी भाग लिया। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ.साथ सामाजिक सरोकार को भी जोड़ने का प्रयास है।

हत्या के इरादे से हमला करने दो गिरफ्तार

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ऐगवां गांव में बीती 23 मई को कुछ लोगों ने रंजिश वश एक युवक पर हत्या करने के इरादे से हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस सिलसिले में पुलिस ने दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। 23 मई को इस्लाम पुत्र रज्जाक खां निवासी ग्राम ऐगवां द्वारा थाना पुलिस को तहरीर दी गयी कि अकील पुत्र जहीर निवासी ग्राम ऐगवां, शमसुद्दीन पुत्र निजामुद्दीन निवासी ग्राम ऐगवां थाना शाहाबाद सहित अन्य साथियों द्वारा उसके साथ गाली.गलौज व मारपीट कर घायल कर दिया गया। इस संबंध में पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के विरुद्ध साजिश कर हत्या करने के इरादे से मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। उपनिरीक्षक गोपाल, गोविंद, हरदीप कुमार और पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

चौदह माह बाद न्यायालय के आदेश पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम अंटवा में 17 अप्रैल 24 को संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता द्वारा फंसी लगा कर आत्महत्या करने के मामले में न्यायालय के आदेश पर घटना के लगभग चौदह माह बाद आरोपियों के विरुद्ध दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मृतका के पिता बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम आटदान पुर निवासी जगदेव उर्फ सुरेंद्र के अनुसार उसने अपनी पुत्री का विवाह 9 मई 2014 को बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम अंटवा निवासी धर्मपाल के पुत्र अविनाश कुमार के साथ किया था। दहेज में बाइक सहित अन्य सामान दिया था। विवाह के कुछ दिन बाद अतिरिक्त दहेज में सोने की चेन और अंगूठी की मांग को लेकर उसकी पुत्री का पतिए सासएननद गीताए अनीताएशशिए दन्नी और मध्यस्थ मुंशीलाल उसे आए दिन प्रताड़ित करने लगे शारीरिक और आर्थिक रूप से उसकी पुत्री को परेशान करने लगे। उसने काफी समझाने का प्रयास किया। 17 अप्रैल 2024 को उसकी पुत्री की ससुराल के गांव में ब्याही एक युवती द्वारा फोन पर उसे पुत्री की हत्या कर शव फांसी पर लटका दिए जाने की सूचना मिली। सूचना पर वह पुत्री के घर गया तो सभी आरोपी घर से फरार हो चुके थे। तीन वर्षीय नातिन घर में अकेले रो रही थी। उसकी पुत्री का कंगन कमरे के बाहर पड़ा था। शव अंदर कमरे में लटक रहा था उसने घटना की लिखित सूचना पुलिस को दी लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। पीड़ित ने उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया लेकिन स्थानीय पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। न्यायालय के आदेश पर घटना के चौदह माह बाद आरोपियों के विरुद्ध बेहटा गोकुल पुलिस ने दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले आरोपियों को भेजा जेल

सण्डीला (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली के अंतर्गत सुनील कुमार मिश्रा पुत्र दिनेश चन्द्र निवासी कस्बा व थाना संडीला जनपद हरदोई द्वारा थाना संडीला पर तहरीर दी गयी कि अभियुक्तगण 1. कादिर खां पुत्र नादिर खां निवासी असरफटोला माकूम कुआ थाना संडीला जनपद हरदोई 2. मुन्ना पुत्र मौज अली निवासी ग्राम सुन्डा थाना संडीला जनपद हरदोई सहित अन्य अभियुक्तों द्वारा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की गई। इस संबंध में वादी की तहरीर के आधार पर थाना संडीला पर मु0अ0सं0 229/25 धारा 121 (1)/132 बीएनएस पंजीकृत किया गया। पुलिस द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित नामजद अभियुक्तगण 1. कादिर खां पुत्र नादिर खां निवासी असरफ टोला माकूम कुआ थाना संडीला 2. मुन्ना पुत्र मौज अली निवासी ग्राम सुन्डा थाना संडीला को गिरफ्तार किया गया। शेष अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है। गिरफ्तार अभियुक्तों 1. कादिर खां पुत्र नादिर खां निवासी असरफ टोला माकूम कुआ 2. मुन्ना पुत्र मौज अली निवासी ग्राम सुन्डा गिरफ्तार करने वाली टीम उ0नि0 प्रिंस कुमार, हे0का0 बृजेश कुमार।

पंचायतों के भृष्टाचार के विरोध में तहसील स्तर पर जवाब दो-हिसाब दो का होगा आंदोलन शुरूः आशीष सिंह

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। निवर्तमान जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी हरदोई द्वारा मासिक बैठक का आयोजन एक होटल में किया गया, जिसमें पंचायत चुनाव मजबूती से लड़ने एवं क्षेत्र पंचायतों में भ्रष्टाचार के खिलाफ तहसील स्तरीय प्रदर्शन की शुरुआत उच्च शिक्षा राज्यमंत्री के गृह विधानसभा शाहाबाद की क्षेत्र पँचायत टोडरपुर में व्याप्त वित्तीय अनियमितताओं की जाँच की मांग से की जाएगी। आशीष कुमार सिंह सोमवंशी ने कहा कि पंचायत चुनाव मजबूती से लड़ना और क्षेत्र पंचायतों के भृष्टाचार के विरोध में तहसील स्तरीय प्रदर्शन किया जाना बहुत जरूरी है। भाजपा सरकार में क्षेत्र पंचायतों में, खासकर मंत्रियों के गृह विधानसभा की क्षेत्र पंचायतों में गम्भीर वित्तीय अनियमितता की गई हैं जिसका खुलासा ऑडिट रिपोर्ट में भी हुआ है। वहीं जनपद में तीन दर्जन से ज्यादा ग्राम पंचायतों के प्रधानों को राजनीति रंजिश के कारण बर्खास्त किया गया। जिनमे से ज्यादातर उच्च न्यायालय से राहत लेकर आये। अब जबकि पंचायतों का कार्यकाल पूरा हो रहा है तो जनता विकास कार्यों का जवाब मांग रही है। निवर्तमान शहर अध्यक्ष जमील अहमद अंसारी ने कहा कि भाजपा सरकार में क्षेत्र पंचायतों में जमकर वित्तीय धन गबन किया गया है कि जिसकी जांचों को दबा दिया गया है भाजपा सरकार में जन कल्याणकारी योजनाएं भ्र्ष्टाचार की भेंट चढ़ गई हैं। ऐसे में जनता के पैसे का हिसाब मांगना पड़ेगा। बैठक को निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष अनवारुल हसन, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ अजीमुश्शान युवा कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष भुवनेश प्रताप सिंह, ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर निवर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष पिहानी अकी रवींद्र मिश्रा, सिकंदर गाजी, शहनवाज अली, अख़लाक़, शकील अली, आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

कुंडल नोचने वाले दो शातिरो को पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार

सवायजपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली सवायजपुर क्षेत्र में गत दिनों महिला फूलकुमारी पत्नी रामकिशन निवासी ग्राम बेहटियन पुरवा थाना लोनार जनपद हरदोई अपने पति रामकिशन व बच्चे के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम घोडीधर थाना सवायजपुर हरदोई जा रही थी। जहां रास्ते में थाना सवायजपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम महेरपुर के पास बाइक पर सवार 02 व्यक्तियों द्वारा फूलकुमारी से कुंडल छीना गया जिससे मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से फूलकुमारी मोटरसाइकिल से गिर गयी जिससे वो गम्भीर रुप से घायल हो गयी। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक ने घटना का निरीक्षण करते हुए जल्दी आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा 60 किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र छाना गया था तथा 70 से अधिक सीसीटीवी फुटेज देखे गये। जिसके आधार पर पुलिस टीम घटना में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगी हुई थी। पुलिस टीम थाना सवायजपुर के वृदांवन तिराहे पर मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि मु0अ0सं0 91/25 धारा 309 (6) बीएनएस से संबंधित अभियुक्तगण मोटरसाइकिल पर संझारा की तरफ से गंगा एक्सप्रेसवे के बगल में बने कच्चे रास्ते से मुबारकपुर की तरफ आ रहे है। इस सूचना पर पुलिस टीम मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर पहुंची जहां मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। जिनको पुलिस टीम द्वारा रोकने का इशारा करने पर मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा खुद को घिरा देखकर पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया । जिसपर पुलिस टीम द्वारा आत्म रक्षा में फायरिंग की गयी। जिसमें अभियुक्त सचिन पुत्र सुरेन्द्र दूसरा अभियुक्त सचिन पुत्र रामसुसीर निवासीगण ग्राम नयागांव गोधाई थाना कोतवाली शहर जनपद हरदोई टांग में गोली लगने से घायल हो गए। जिन्हे मौके से घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया तथा मुठभेड के दौरान थाना सवायजपुर पर तैनात उ0नि0 शिवशंकर मिश्रा घायल हो गए। अभियुक्त के कब्जे से 02 अदद तमंचे 315 बोर व 01 अदद खोखा कारतूस 315 बोर 01 अदद मिस कारतूस 315 बोर 02 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर 01 अदद घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व 5200 रुपये नगदी बरामद की गई। घायल अभियुक्तगण व पुलिस कर्मी को उपचार हेतु सीएचसी सवायजपुर ले जाया गया जहां से उन्हे मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर कर दिया गया। पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

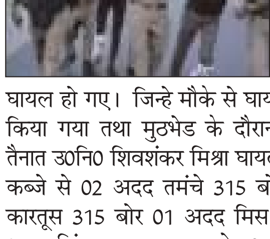

विभिन्न बैंकों के कर्मचारियों ने एकत्र होकर जोरदार किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। केंद्र सरकार की जनविरोधी आर्थिक नीतियों और श्रमिक-विरोधी श्रम सुधारों के खिलाफ बुधवार को देशभर में आयोजित आम हड़ताल में बैंक कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हरदोई में केनरा बैंक शाखा पर विभिन्न बैंकों के कर्मचारियों ने एकत्र होकर जोरदार प्रदर्शन किया और नारेबाजी के माध्यम से विरोध दर्ज कराया।

यह हड़ताल मौजूदा सरकार की आर्थिक नीतियों के उस चेहरे को उजागर करती है, जो बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाते हुए आम जनता और मेहनतकश वर्ग को लगातार हाशिये पर धकेल रही है। कर्मचारियों का कहना है कि देश की अधिकांश संपत्ति अब कुछ उद्योगपतियों के हाथों में सिमट गई है, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग के सामने महंगाई, बेरोजगारी और असुरक्षा जैसे गंभीर संकट खड़े हैं। सरकार की **ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस** नीति श्रमिकों के अधिकारों को छीनने का माध्यम बन गई है। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि रोजगार सृजन के बजाय सरकार द्वारा फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट और ठेका प्रथा को बढ़ावा दिया जा रहा हैए जिससे न केवल नौकरियाँ अस्थायी बन रही हैंए बल्कि कर्मचारियों को उचित वेतन और सुरक्षा भी नहीं मिल रही। न्यूनतम वेतन की गारंटी तक नहीं दी जा रही हैए और कार्य समय को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के खिलाफ है।

प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने केंद्र सरकार पर सार्वजनिक क्षेत्र को योजनाबद्ध ढंग से कमजोर करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि विनिवेश, निजीकरण और मोनेटाइजेशन की नीतियाँ पब्लिक सेक्टर बैंकों और बीमा कंपनियों को निजी हाथों में सौंपने का माध्यम बन रही हैं। यह केवल संस्थाओं का नहीं, बल्कि देश की जनता की गाढ़ी कमाई को कॉरपोरेट्स को सौंपने जैसा है। यूनियनों ने स्पष्ट किया कि वे इस लूट के खिलाफ हर स्तर पर आवाज़ उठाएंगे। बैंक हड़ताल में भाग लेने वाली यूनियनों ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि नए लेबर कोड्स श्रमिकों से उनके अधिकार छीन रहे हैं। ट्रेड यूनियन का अधिकार, हड़ताल का अधिकार और काम के घंटे जैसे मूलभूत अधिकारों को सीमित किया जा रहा है। वर्कर की परिभाषा तक बदली जा रही है ताकि अधिकाधिक लोगों को श्रम कानूनों की सुरक्षा से बाहर किया जा सके। यह **यूनियन मुक्त भारत** की दिशा में बढ़ाया गया खतरनाक कदम है। हरदोई में हुए विरोध प्रदर्शन का आयोजन यूपी बैंक इम्प्लॉइज यूनियन की स्थानीय इकाई ने किया, जिसमें कई सार्वजनिक, निजी, सहकारी और ग्रामीण बैंकों के कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियाँ और बैनर लेकर सरकार की नीतियों के विरुद्ध नारे लगाए और एकजुटता का संदेश दिया। यूनियन प्रतिनिधियों ने कहा कि यह संघर्ष केवल बैंक कर्मचारियों का नहीं, बल्कि देश के हर मेहनतकश का संघर्ष है कृ और यह तब तक जारी रहेगा, जब तक नीति बदलाव नहीं होता। प्रदर्शनकरियो का नेतृत्व यूनियन के वरिष्ठ नेता यूपी बैंक इम्प्लाइज यूनियन के जिला मंत्री राकेश पाण्डेय ने किया। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से वेदप्रकाश पांडे, अजय मेहरोत्रा, कौशलेंद्र शुक्ल, वीर बहादुर सिंह, आनंद गुप्ता, दीपक बाजपेई, अनुज सिंह, अभिषेक गुप्ता, अनादि ब्रम्ह, अनिल कुमार, असलम अंसारी, अमित पाण्डेय, वर्षा मेहरोत्रा, प्रिया रस्तोगी, चंदा, प्रिया सिंह, मालती, सोनू, संजय, यतीन्द्र मिश्रा, संतोष, मुकेश, सत्यप्रकाश, सिद्धार्थ, केशन, धर्मसिंह, चंद्रशेखर, संदीप, कैलाश, आदित्य, संजीव, श्यामसिंह, प्रमोद, रोचन सिन्हा, सरोज यादव, चंदन कुमार, राघवेंद्र, मुन्ना मौजूद रहे।

बच्चों ने निकाली रैली

टोडरपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विकासखंड टोडरपुर क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय सलेमपुर राय गांव में बुधवार को स्कूल चले अभियान के तहत रैली का आयोजन किया गया विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने गांव में भ्रमण कर शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई प्रधानाध्यापक शोभित शुक्ला सहायक अध्यापक सुबोध कुमार रामू शर्मा फूलचंद शिक्षामित्र कुलदीप शिक्षामित्र संध्या तिवारी आंगनबाड़ी उपस्थिति रही ने अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क किया उन्होंने सभी बच्चों का नामकरण करने और उन्हें नियमित स्कूल भेजने का आग्रह किया छात्रों ने जोशीले नारे लगाए जिससे पूरी ग्राम पंचायत गुंजायमान हो गई।

खून खराबे का खेल

एक बार फिर पंजाब देश-विदेश से संचालित आपराधिक गैंगों और आतंकवादियों के निशाने पर आ गया है। संगठित आपराधिक गिरोहों द्वारा आम-खास लोगों को शिकार बनाये जाने की घटनाएं जब-तब सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य में गैंगस्टरों द्वारा की जा रही हिंसा में खतरनाक ढंग से वृद्धि देखी जा रही है। अबोहर के व्यवसायी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हुई हत्या और मोगा में अभिनेत्री तानिया के डॉक्टर पिता की उनके क्लीनिक में गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने इस बात को उजागर किया कि संगठित आपराधिक नेटवर्क कितनी आसानी से काम कर रहे हैं। हमलावरों द्वारा सार्वजनिक रूप से मरीज बनकर डाक्टर को गोली का निशाना बनाना आपराधिक दुस्साहस को ही उजागर करता है। जो बताता है कि अपराधियों में कानून व पुलिस का खौफ नजर नहीं आता। यह समाज वैज्ञानिकों के लिये भी गंभीर मंथन का विषय है कि राज्य का समाज इस गहरी अस्वस्थता का शिकार क्यों है। निश्चित रूप से समाज में आर्थिक विसंगतियां और सामाजिक विद्रूपताएं अपराध की राह खोल रही हैं। वहीं दूसरी ओर, राज्य में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी, नशे की लत, अशांत बचपन, गरीबी, विषैली राजनीति और रातों-रात अमीर बनने की लालसा कई पंजाबी युवाओं को अपराध की अंधी गली की ओर धकेल रही है। ऐसा भी नहीं है कि बेरोजगारी व अन्य सामाजिक विसंगतियां देश के अन्य राज्यों में नहीं हैं। नशा एक राष्ट्रीय संकट बनता जा रहा है। सवाल ये कि हमारा शासन-प्रशासन इन अपराधों से किस तरह निबटता है। विडंबना यह भी है कि सोशल मीडिया पर हो रही चर्चा में गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। निस्संदेह, अपराध का रास्ता कई युवाओं को आकर्षित करता है, लेकिन एक हकीकत यह भी है कि इस राह से गुजरने के बाद मुख्यधारा में लौटना असंभव है। अपराधी फिर कभी सामान्य जीवन नहीं जी सकता। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन को राज्य में उन सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की सख्त जरूरत है, जो अपराध को बढ़ावा देते हैं। उन विभागीय काली भेड़ों की भी सख्त निगरानी की जरूरत है जो अपराधियों के अपवित्र गठबंधन में मददगार होती हैं। हालांकि, पंजाब पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां और मुठभेड़ें की हैं, लेकिन ये महज एक प्रतिक्रियात्मक कदम मात्र है। इस बड़े संकट से निपटने के लिये एक निरंतर, व्यवस्थित व कारगर रणनीति बनाने की जरूरत है। वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मजबूत बनाने की दरकार है। इसके साथ ही शिक्षा प्रयासों का विस्तार करने, पुनर्वास और न्यायिक प्रक्रियाओं को भी तेज करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त केंद्र की एनआईए जैसी एजेंसियों के साथ तालमेल से राज्य की एजेंसियों को अपराधियों पर शिकंजा कसने में मदद भी मिल सकती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि पंजाब में अपराधियों व आतंकवादियों का गठजोड़ अब स्थानीय नहीं रह गया है। यह न केवल अंतर्राष्ट्रीय रूप ले चुका है, बल्कि आधुनिक तकनीक व हथियारों की मदद से मारक साबित हो रहा है। इससे बड़ा संकट यह भी है कि ये अपराध वैचारिक रूप से अस्थिर भी हैं।

हाल ही में एक पृथकतावादी संगठन के सक्रिय आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया का अमेरिका से प्रत्यर्पण इस बात की याद दिलाता है कि राज्य में चरमपंथी विचारधारा का साया कितना गहरा बना हुआ है। आरोप है कि करीब चौदह ग्रेनेड हमलों को अभियुक्त ने अंजाम दिया। पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर काम करने वाले अभियुक्त पासिया की भारत वापसी निस्संदेह आगे की जांच में मददगार साबित होगी। इससे भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों के काले अध्याय फिर सामने आने की भी उम्मीद जगी है। इस प्रकरण के उजागर होने से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि कैसे पंजाब को भारत विरोधी ताकतों द्वारा विदेशों से निशाना बनाया जा रहा है।

धर्मांतरण का धंधा: विदेशी फंडिंग और सामाजिक विघटन का षड्यंत्र

डॉ. सत्यवान सौरभ

उत्तर प्रदेश में एटीएस द्वारा उजागर किए गए एक बड़े धर्मांतरण रैकेट ने यही भयावह सच्चाई हमारे सामने रखी है। कथित रूप से ''छांगरू बाबा'' उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह न केवल भोले-भाले लोगों का धर्मांतरण कर रहा था, बल्कि इसके पीछे एक व्यवस्थित नेटवर्क, विदेशी फंडिंग और जातिगत लक्ष्य निर्धारण भी शामिल था। जिस प्रकार से इस रैकेट की कार्यप्रणाली सामने आई है, वह धर्मांतरण को एक सुनियोजित व्यवसाय के रूप में प्रकट करती है। यह कोई व्यक्तिगत आस्था का निर्णय नहीं, बल्कि विदेशी पैसों से संचालित एक मिशन था ऽ जिसमें धर्म, जाति, स्त्री और समाज को एक वस्तु की तरह देखा गया। एफआईआर और जांच रिपोर्ट के अनुसार, धर्मांतरण के लिए बाकायदा 'रेट कार्ड' था। ऊंची जाति की लड़कियों के लिए धर्मांतरण की दर 15-16 लाख रुपये तक थी, जबकि अन्य लड़कियों के लिए 8-10 लाख रुपये। सोचिए, जब धर्म को भी जाति और लिंग के आधार पर मूल्यांकित किया जाने लगे, तो वह किस स्तर तक गिरावट का प्रतीक बनता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस रैकेट के पास 40 बैंक खाते थे जिनमें विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भेजी गई। यह रकम किसके इशारे पर भेजी गई, किन उद्देश्यों के लिए, और किन देशों से- यह सवाल सिर्फ जांच एजेंसियों के नहीं, पूरे देश के हैं।

धर्म किसी भी समाज की आत्मा होता है, लेकिन जब धर्म का प्रयोग 'धंधे' में बदल जाए तो सवाल सिर्फ आस्था का नहीं, राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों का हो जाता है। उत्तर प्रदेश में एटीएस द्वारा उजागर किए गए एक बड़े धर्मांतरण रैकेट ने यही भयावह सच्चाई हमारे सामने रखी है। कथित रूप से ''छांगरू बाबा'' उर्फ जमशेदुद्दीन के नेतृत्व में यह गिरोह न केवल भोले-भाले लोगों का धर्मांतरण कर रहा था, बल्कि इसके पीछे एक व्यवस्थित नेटवर्क, विदेशी फंडिंग और जातिगत लक्ष्य निर्धारण भी शामिल था। जिस प्रकार से इस रैकेट की कार्यप्रणाली सामने आई है, वह धर्मांतरण को एक सुनियोजित व्यवसाय के रूप में प्रकट करती है। यह कोई व्यक्तिगत आस्था का निर्णय नहीं, बल्कि विदेशी पैसों से संचालित एक मिशन था ऽ जिसमें धर्म, जाति, स्त्री और समाज को एक वस्तु की तरह देखा गया। एफआईआर और जांच रिपोर्ट के अनुसार, धर्मांतरण के लिए बाकायदा 'रेट कार्ड' था। ऊंची जाति की लड़कियों के लिए धर्मांतरण की दर 15-16 लाख रुपये तक थी, जबकि अन्य लड़कियों के लिए 8-10 लाख रुपये। सोचिए, जब धर्म को भी जाति और लिंग के आधार पर मूल्यांकित किया जाने लगे, तो वह किस स्तर तक गिरावट का प्रतीक बनता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस रैकेट के पास 40 बैंक खाते थे जिनमें विदेशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम भेजी गई। यह रकम किसके इशारे पर भेजी गई, किन उद्देश्यों के लिए, और किन देशों से ऽ यह सवाल सिर्फ जांच एजेंसियों के नहीं, पूरे देश के हैं। क्या यह केवल धर्मांतरण के लिए था या इसके पीछे कोई और बड़ा वैश्विक, राजनीतिक या वैचारिक षड्यंत्र भी छिपा है? इस रैकेट की कार्यशैली में सोशल मीडिया का जबरदस्त उपयोग किया गया। वीडियो, मोटिवेशनल भाषण, 'इस्लाम कबूल करने से मिली राहत' जैसे फर्जी वीडियो वायरल कर कमजोर तबकों को बरगलाया गया। पहले मानसिक रूप से प्रभावित किया गया, फिर आर्थिक लालच दिया गया और अंत में जबरन धर्मांतरण। यह साइकोलॉजिकल वॉर.फेयर जैसा है- जहां पहले मस्तिष्क जीता जाता है, फिर शरीर। और सबसे दुखद यह कि इसे धर्म का नाम दिया गया। इस प्रकरण में बलरामपुर जिले के एक पूरे परिवार के धर्मांतरण की पुष्टि हुई है। वहां महिलाओं और बच्चों को टारगेट कर उन्हें धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया। यह कोई एक अपवाद नहीं, बल्कि उसी पैटर्न का हिस्सा है ऽ जिसमें ग्रामीण, अशिक्षित और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को निशाना बनाया जाता है। यह सामाजिक असमानता का शोषण है। जब राज्य, समाज और प्रशासन इन परिवारों की रक्षा नहीं कर पाते, तो ऐसे गिरोह अपना मकड़जाल फैलाते हैं। इस रैकेट का सबसे खतरनाक पहलू था ऽ जातिगत दर निर्धारण। ऊंची जाति की लड़कियों के धर्मांतरण के लिए अधिक पैसा दिया जाता था। इसका मतलब है कि धर्मांतरण सिर्फ धर्म का नहीं, जाति-सामाजिक संरचना को तोड़ने का औजार भी बन चुका है। यह न केवल हिंदू समाज को कमजोर करने की चाल है, बल्कि राष्ट्र को आंतरिक रूप से विखंडित करने की भी रणनीति है। इस मामले पर तथाकथित सेक्युलर बुद्धिजीवी वर्ग चुप है। वही वर्ग जो 'धर्मनिरपेक्षता' की दुहाई देता है, 'संविधान की आत्मा' की बात करता है, आज गूंगा बना बैठा है। क्यों? क्या धर्मांतरण को भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मान लिया गया है? क्या किसी गरीब, दलित, महिला या आदिवासी का जबरन धर्म बदलवाना मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है? अगर किसी दलित के मंदिर में प्रवेश करने से किसी को आपत्ति है, तो उस पर शोर मचता है, लेकिन जब उसी दलित को पैसों से धर्म बदलवाया जाता है तो कोई नहीं बोलता। यह मौन स्वयं एक अपराध है। यह भी गौरतलब है कि ऐसे मामलों पर राजनीतिक दल अक्सर वोट बैंक की राजनीति के कारण खुलकर प्रतिक्रिया नहीं देते। अल्पसंख्यकों की 'संवेदनशीलता' के नाम पर ऐसे राष्ट्रघातक कृत्यों को नजरअंदाज किया जाता है। सवाल यह है कि क्या देश की अखंडता और सामाजिक समरसता वोट बैंक से भी छोटी हो गई है? अगर कोई हिंदू संगठन धर्मांतरण रोकने की बात करता है तो उसे कट्टरपंथी कह दिया जाता है, लेकिन जब धर्मांतरण के नाम पर विदेशी पैसा आकर समाज को तोड़ता है, तो सब चुप हो जाते हैं। यह मामला अकेला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे गिरोह सक्रिय हैं जो सामाजिक दुर्बलता, आर्थिक मजबूरी और शिक्षा की कमी का लाभ उठाकर धर्मांतरण करा रहे हैं। इससे निपटने के लिए धर्मांतरण विरोधी कानूनों को और मजबूत बनाना चाहिए। विदेशी फंडिंग की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग तंत्र को सशक्त करना चाहिए। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समाज को आत्मनिर्भर और सजग बनाना जरूरी है। धर्म आत्मा का विषय है, उसे सौदेबाज़ी का औजार बनाना न केवल अपराध है, बल्कि मानवता का भी अपमान है। धर्मांतरण जब व्यक्तिगत चेतना से नहीं, लालच, भय या फरेब से होता है, तो वह धर्म नहीं, शोषण होता है। हमारे लिए जरूरी है कि हम धर्मांतरण की आड़ में चल रहे इन संगठित अपराधों को पहचानें, उनका विरोध करें और समाज को ऐसी गतिविधियों से बचाने के लिए संगठित प्रयास करें। धर्म को न बेचे, न खरीदें ऽ बल्कि समझें, आत्मसात करें और उसकी गरिमा को बचाए रखें।

हिन्दुत्व या पीडीए कौन पड़ रहा है भारी

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासत में दो विचारधाराएँ आमने-सामने हैं। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का हिंदुत्व का नारा, जो धार्मिक एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव के बल पर वोटरों को लुभाने की कोशिश करता है। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति, जो सामाजिक न्याय और समावेशी राजनीति की बुनियाद पर टिकी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी, जिसने 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश में बीजेपी को 33 और सपा को 37 सीटों तक सीमित कर दिया। यह नतीजा अखिलेश की पीडीए रणनीति की ताकत को दर्शाता है, लेकिन 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के हिंदुत्व के सामने यह कितना टिक पाएगी, यह एक बड़ा सवाल है।

अखिलेश यादव ने 2023 में पीडीए का नारा दिया था, जिसका मतलब है पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक। यह रणनीति सपा के पारंपरिक मुस्लिम-यादव (एम-वाई) वोट बैंक को विस्तार देने की कोशिश थी। सपा ने हमेशा यादव और मुस्लिम समुदायों पर निर्भरता दिखाई, लेकिन अखिलेश ने गैर-यादव ओबीसी, दलित और अन्य अल्पसंख्यकों को जोड़ने की रणनीति अपनाई। 2024 के चुनाव में सपा ने 62 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, जिनमें केवल पाँच यादव थे, और बाकी टिकट गैर-यादव ओबीसी (27), दलित (15), और ऊपरी जातियों (11) को दिए गए। इस रणनीति ने सपा को बुंदेलखंड, अवध और पूर्वांचल जैसे क्षेत्रों में जीत दिलाई, जहाँ उसने बीजेपी को कड़ी चुनौती दी। सपा ने कुर्मी, शाक्य, मौर्य, पाल और निषाद जैसी जातियों को टिकट देकर सामाजिक गणित को अपने पक्ष में किया।

अखिलेश की पीडीए रणनीति का आधार सामाजिक न्याय और आर्थिक मुद्दों पर केंद्रित है। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई, और सरकारी भर्तियों में पेपर लीक जैसे मुद्दों को उठाकर युवाओं और ग्रामीण वोटरों को लुभाया। इसके अलावा, उन्होंने संविधान और आरक्षण की रक्षा का मुद्दा जोर-शोर से उठाया, खासकर दलित और ओबीसी समुदायों के बीच। सपा ने बीजेपी पर संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाया, जिसने दलित और पिछड़े वोटरों में डर पैदा किया। अखिलेश ने जुड़ेंगे तो जीतेंगे का नारा दिया, जो बीजेपी के बटेंगे तो कटेंगे के जवाब में था। यह नारा एकता और सामाजिक न्याय की भावना को दर्शाता है, जिसने 2024 में सपा को इंडिया गठबंधन के साथ 43 सीटें जिताने में मदद की।

वहीं, बीजेपी हिंदुत्व की सियासत कर रही है। राम मंदिर का निर्माण, जिसे बीजेपी ने अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताया, वह 2024 के चुनाव में वैसा जादू नहीं दिखा सका, जैसा पार्टी ने उम्मीद की थी। अयोध्या में ही बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा, जब सपा के अवधेश प्रसाद ने फैजाबाद सीट जीती। बीजेपी ने हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की कोशिश की, जिसमें मुस्लिमों को आरक्षण देने के कथित विपक्षी प्लान का मुद्दा उठाया गया। लेकिन यह रणनीति उलटी पड़ गई, क्योंकि गैर-यादव ओबीसी और दलित मतदाताओं ने सपा-कांग्रेस गठबंधन को समर्थन दिया।

बीजेपी ने 2014 और 2019 में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के बल पर उत्तर प्रदेश में भारी जीत हासिल की थी, लेकिन 2024 में उसका वोट शेयर 33.6ः तक सिमट गया।

हालांकि, बीजेपी की हिंदुत्व की राजनीति को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी ने कानून-व्यवस्था और हिंदू गौरव जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया। योगी ने श्बटेंगे तो कटेंगेश जैसे नारों के जरिए हिंदू एकता की बात की, जो ऊपरी जातियों और कुछ ओबीसी समुदायों में प्रभावी रही। बीजेपी ने अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) को लुभाने के लिए भी प्रयास किए, जैसे निषाद, कुर्मी और मौर्य समुदायों को टिकट देना। 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में इस रणनीति ने बीजेपी को भारी सफलता दिलाई थी। लेकिन 2024 में सपा की पीडीए रणनीति ने इन समुदायों में सेंध लगाई, खासकर कुर्मी और दलित वोटरों में।

अखिलेश ने हाल के दिनों में हिंदुत्व के मैदान में भी कदम रखा है। इटावा में केदारेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण इसका उदाहरण है। यह मंदिर न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि बीजेपी के श्सपा मुस्लिम तुष्टिकरण करती हैश के आरोप का जवाब भी है। सपा नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी सच्चे हिंदुत्व को बढ़ावा देती है, जो गंगा-जमुनी तहजीब और समावेशिता पर आधारित है। लेकिन बीजेपी इसे श्राजनीतिक अवसरवादश करार देती है और दावा करती है कि सपा का पीडीए वास्तव में केवल यादवों तक सीमित है।

2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश की पीडीए रणनीति की असली परीक्षा होगी। सपा ने 2024 में गैर-यादव ओबीसी और दलितों को अपने साथ जोड़ा, लेकिन इस गठजोड़ को बनाए रखना आसान नहीं होगा। बीजेपी ने अपनी हार से सबक लिया है और अब वह हिंदुत्व के साथ-साथ सामाजिक गठजोड़ को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। योगी आदित्यनाथ ने उप चुनाव में सक्रियता बढ़ाई है, और बीजेपी ने दलित और ओबीसी नेताओं को आगे लाने की रणनीति बनाई है। मील्कीपुर जैसे उप चुाव में बीजेपी ने पासी उम्मीदवार उतारकर सपा की पीडीए रणनीति को चुनौती दी।

सपा के सामने चुनौती है कि वह अपने पीडीए गठजोड़ को संगठित रखे। दलित वोटर, जो पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ थे, अब सपा की ओर झुके हैं, क्योंकि बसपा का प्रभाव कम हुआ है। लेकिन बीजेपी और बसपा दोनों ही इस वोट बैंक को वापस लाने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा, सपा को इंडिया गठबंधन के सहयोगियों, खासकर कांग्रेस, के साथ तालमेल बनाए रखना होगा। 2024 में सपा-कांग्रेस गठबंधन ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन गठबंधन में सीट बंटवारे और नेतृत्व को लेकर तनाव की आशंका बनी रहती है।

दूसरी तरफ, बीजेपी के पास संगठनात्मक ताकत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का समर्थन है। वह हिंदुत्व के मुद्दों को और तेज कर सकती है, खासकर अगर 2027 से पहले कोई बड़ा धार्मिक या सांस्कृतिक मुद्दा उभरता है। योगी आदित्यनाथ की छवि एक कट्टर हिंदू नेता के रूप में बीजेपी को ऊपरी जातियों और कुछ ओबीसी समुदायों में मजबूती देती है। लेकिन बीजेपी को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसका हिंदुत्व का नारा गैर-यादव ओबीसी और दलित वोटरों को अलग न करे।

अखिलेश की पीडीए रणनीति ने 2024 में बीजेपी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन इसका भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि सपा इस गठजोड़ को कितनी मजबूती से बनाए रखती है। दूसरी ओर, बीजेपी का हिंदुत्व अभी भी एक शक्तिशाली हथियार है, जो धार्मिक भावनाओं को भुनाने में माहिर है। 2027 का चुनाव इस बात का फैसला करेगा कि सामाजिक न्याय का नारा धार्मिक ध्रुवीकरण के सामने कितना टिक पाता है।

गुरु जीवनरूपी अंधेरों को मिटाकर उजाला करते हैं

गुरु पूर्णिमा पर विशेष

ललित गर्ग

गुरु एक नाम नहीं, एक स्थिति है। वे केवल शरीरधारी व्यक्ति नहीं, एक दिव्य ऊर्जा हैं, जो हमारे भीतर शक्ति, ज्ञान एवं संस्कार को जागृत करती है। कबीरदास ने कहा-गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय? यह केवल काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना की वह आधारशिला है, जिस पर जीवन की संपूर्ण संरचना टिकी है। गुरु वही है जो 'मैं' को गलाकर 'तू' में मिला दे, जो अहंकार को मिटाकर आत्मा को उभार दे। यह केवल पूजा का दिन नहीं, आत्म-प्रेरणा का दिवस है; गुरु के प्रति कृतज्ञता, मार्गदर्शन और जीवन को नया मोड़ देने वाले उस आधारस्तंभ को नमन करने का दिन है।

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है-ईश्वर से भी ऊंचा। गुरु न केवल ज्ञानदाता हैं, वे जीवन के वास्तुकार, जीवन-निर्माता एवं संस्कारदाता हैं। वे शिष्य को केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि आत्मा के स्वरूप से उसका परिचय कराते हुए उसका जीवन-निर्माण करते हैं। वे न केवल अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं, बल्कि जीवन की दुविधाओं, असमंजसों और भ्रमों को दूर कर उसे सार्थक दिशा देते हैं। ऐसे ही गुरु-तत्व के पूजन का पर्व है-गुरु पूर्णिमा, जो हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को श्रद्धा और समर्पण से मनाया जाता है। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था, इसलिये इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते है। वेदव्यास ने चारों वेदों का संकलन किया, पुराणों की रचना की और महाभारत जैसा अद्वितीय महाकाव्य रचा। वे न केवल ज्ञान के स्रोत थे, बल्कि आत्मबोध के महामार्गदर्शक भी थे। गुरु पूर्णिमा सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पव हैं, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। भारतीय लोकचेतना में सत्य की ओर गति कराने एवं जीवन को जीवंतता देने वाले गुरु को ईश्वर माना गया है। इसीलिये पर्वों, त्यौहारों और उत्सवों की श्रृंखला में गुरु पूर्णिमा का सर्वोपरि महत्व माना गया है। यह अध्यात्म-जगत विशेषतः सनातन धर्म का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है। गुरु एक नाम नहीं, एक स्थिति है। वे केवल शरीरधारी व्यक्ति नहीं, एक दिव्य ऊर्जा हैं, जो हमारे भीतर शक्ति, ज्ञान एवं संस्कार को जागृत करती है। कबीरदास ने कहा-ह्लगुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय?ङ्क यह केवल काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक चेतना की वह आधारशिला है, जिस पर जीवन की संपूर्ण संरचना टिकी है। गुरु वही है जो 'मैं' को गलाकर 'तू' में मिला दे, जो अहंकार को मिटाकर आत्मा को उभार दे। यह केवल पूजा का दिन नहीं, आत्म-प्रेरणा का दिवस है; गुरु के प्रति कृतज्ञता, मार्गदर्शन और जीवन को नया मोड़ देने वाले उस आधारस्तंभ को नमन करने का दिन है। गुरु पूर्णिमा का पर्व विशेष रूप से सनातन धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं भारतीय ज्ञान परंपरा में अत्यंत पूज्यनीय है। भारत की मनीषा में गुरु केवल धार्मिक या शैक्षणिक संस्था के सदस्य नहीं हैं, बल्कि वे एक आध्यात्मिक बीज हैं, जो शिष्य के अंतर्मन में चेतना का वृक्ष बनकर प्रस्फुटित होते हैं। गुरु-शिष्य का संबंध केवल औपचारिक नहीं, आत्मिक होता है। शिष्य का अर्थ ही है-'जो शीघ्र ग्रहण करे, जो समर्पित हो।' और गुरु का अर्थ है-'गु' यानी अंधकार और 'रु' यानी प्रकाश-जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए। प्राचीन गुरुकुल परंपरा में यह संबंध अत्यंत पवित्र और जीवनपर्यंत टिकने वाला होता था। शिष्य केवल विद्या ही नहीं, गुरु के जीवन से भी सीखता था। चरित्र, संयम, श्रद्धा, विनम्रता और सेवा जैसे गुण गुरु के व्यक्तित्व से शिष्य के भीतर स्वतः उतरते थे। महावीर ने गौतम गणधर को, बुद्ध ने आनंद को, नानक ने अंगद को, श्रीकृष्ण ने संदीपनि को और फिर स्वयं अर्जुन को शिष्यत्व प्रदान किया। श्रीराम ने गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र से जीवन की मर्यादा सीखी, वहीं श्रीकृष्ण ने अर्जुन को युद्धभूमि में कर्मयोग का उपदेश देकर जगतगुरु का दर्ज़ा पाया। ये उदाहरण दिखाते हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता-वह जीवन का दृष्टिकोण बदल देता है। आज भौतिकतावादी युग में गुरु के प्रति आस्था में गिरावट आई है। शिक्षा संस्थान सूचना का प्रसार कर रहे हैं, लेकिन जीवन मूल्यों का संचार नहीं कर पा रहे। विद्यार्थियों को डिग्रियां तो मिल रही हैं, पर दिशा नहीं। ज्ञान है, पर विवेक नहीं; विज्ञान है, पर आत्मा नहीं; बुद्धि है, पर करुणा नहीं। इसका मूल कारण है-जीवन में सच्चे गुरु का अभाव। आज ट्यूटर हैं, टीचर हैं, प्रोफ़ेसर हैं-पर गुरु नदारद हैं। ऐसे में गुरु पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि केवल पढ़ना-पढ़ाना पर्याप्त नहीं है, जीवन जीने की कला सिखाने वाला गुरु चाहिए। गुरु जीवन की धार को नया मोड़ देते हैं। जैसे नदी जब किसी घाट से गुजरती है, तो उसका स्वरूप बदलता है, वैसे ही गुरु का सान्निध्य शिष्य के भीतर नई चेतना, नई दृष्टि और नया जीवन का संचार करता है। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवी आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है- गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके। गुरु केवल उपदेश नहीं देता, वह जीता है। उसकी हर बात, हर चुप्पी, हर दृष्टि, हर मौन एक शिक्षा होती है। उसका जीवन एक ग्रंथ होता है, जिसकी हर बात शिष्य के जीवन में अमिट छाप छोड़ती है। शास्त्रों में कहा गया है-ह्लगुरु बिना गति नहीं, गुरु बिना ज्ञान नहीं, गुरु बिना मोक्ष नहीं।ङ्क गुरु ही शिष्य के अंतर्मन में आत्मा की चिंगारी प्रज्वलित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी चुनौती है-सच्चे गुरु की पहचान। आज ऐसे कई कथित गुरु हैं जो अपने अनुयायियों की संख्या, चमत्कारों और धन-संपत्ति के आधार पर महान कहलाते हैं। वे गुरु नहीं, व्यापारी हैं-जो मोक्ष, आत्मज्ञान, कुण्डलिनी जागरण, रोग निवारण और चमत्कारों के नाम पर लोगों की भावनाओं का दोहन कर रहे हैं। इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। ऐसे अज्ञानी, धन-लोलुप और पाखंडी लोगों ने गुरु परंपरा की छवि को धूमिल किया है। सही कहा गया है-पानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के। सच्चा गुरु न विज्ञापन करता है, न दिखावा। वह न चमत्कार दिखाता है, न भीड़ जुटाता है। वह मौन से शिक्षा देता है, दृष्टि से दिशा देता है और आशीर्वाद से शांति देता है। उसका सान्निध्य ही साधना है, उसकी चरण-वंदना ही ऊर्ज़ा है। गुरु पूर्णिमा हमें स्मरण कराती है कि चातुर्मास काल में जब ईश्वर निद्रा में होते हैं तब गुरु ही हमें मार्ग दिखाते हैं। वे हमारे दुःखों का हरण करते हैं, मोह का निवारण करते हैं और जीवन को नई दृष्टि देते हैं। गुरु का सच्चा सम्मान केवल उनकी मूर्ति पर फूल चढ़ाना नहीं है, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलना है। उनके उपदेशों को आत्मसात करना, अपने जीवन में विनम्रता, सेवा, संयम और समर्पण जैसे गुणों को विकसित करना ही सच्ची गुरु-पूजा है। तुलसीदासजी ने हनुमान चालीसा में लिखा है-ह्लजय जय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करहु गुरुदेव की नाई।ङ्क जिनके पास कोई गुरु न हो, वे हनुमानजी को गुरु बना सकते हैं-क्योंकि गुरुत्व एक चेतना है, एक भावना है, एक समर्पण है। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहां विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में राह दिखाने वाले दीपक होते हैं ईश्वरतुल्य गुरु, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा? गुरु वह दीप है, जो हमारे अंतर्मन के अंधकार को मिटाता है। वह वह द्वीप है, जो संसाररूपी समुद्र में दिशा देता है। वह वह वृक्ष है, जो तपते जीवन में छांव देता है। और वह ऐसी अग्नि है, जो चेतना को प्रज्वलित करती है। हमें इस गुरु पूर्णिमा पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सच्चे गुरु की तलाश करें-जो भीतर की यात्रा कराए, जो अहंकार को तजने में सहायता करे, जो आत्मा की पहचान कराए। गुरु जीवन का वह मोड़ है, जहां से जीवन बदलता है। वह नया घाट है, जहां से आत्मा का जल बहता है। अंततः, गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं, आत्म-बोध और समर्पण का पर्व है। यही इसकी सार्थकता है कि हम गुरु को केवल पूजें नहीं, अपने भीतर जगाएं। जब तक जीवन में सच्चा गुरु नहीं आता, तब तक आत्मा मौन रहती है। जैसे ही गुरु आता है, आत्मा गूंज उठती है। गुरु जीवन को नया घाट देते हैं, नयी झंकार देते हैं।

बिछिया में पंचायत भवनों पर लटकता ताला, आदेश की खुली अनदेखी

- इछौली समेत कई ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक और कर्मियों की गैरहाजिरी से ग्रामीण परेशान, प्रमाण पत्रों और योजनाओं से वंचित हो रहे लोग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बिछिया (उन्नाव)। बिछिया विकासखंड की ग्राम पंचायत इछौली समेत कई अन्य पंचायत भवनों में सरकारी आदेश के बावजूद पंचायत सहायक और अन्य कर्मचारी नियमित रूप से उपस्थित नहीं हो रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत इछौली में पंचायत सहायक का नियमित रूप से पंचायत भवन में न बैठना लोगों की मुख्य समस्या बन चुका है। जन्म, मृत्यु, विवाह प्रमाण पत्र या अन्य सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए ग्रामीणों को बार-बार पंचायत सचिव के कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

लाखों की लागत से बने पंचायत भवनों से जनसेवा की जो उम्मीद थी, वह पूरी नहीं हो रही है। हर वर्ष भवनों की रंगाई-पुताई और मरम्मत पर हजारों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन कर्मचारियों की उपस्थिति न होने से ये भवन वीरान पड़े हैं। बताया गया कि पंचायत सहायक अक्सर ब्लॉक के किसी कोने में बैठकर कार्य करते हैं, जबकि नियमों के अनुसार उन्हें निश्चित दिन पंचायत भवन में उपस्थित रहकर कार्य करना अनिवार्य है। बिछिया क्षेत्र की करीब एक दर्जन पंचायत भवनों का ताला महीनों से नहीं खुला, जिससे ग्रामीणों को सरकारी सेवाओं से जुड़ने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पंचायत सचिव, राजस्व कर्मी, जनसेवक, कंप्यूटर ऑपरेटर, रोजगार सेवक, जेई, स्वयंसेवक, मुखिया और पंचायत समिति सदस्य सभी को तयशुदा दिन पर पंचायत भवन में उपस्थित रहना होता है, लेकिन इनमें से कोई भी नियमों का पालन करता नहीं दिखता। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन इस अनदेखी पर सख्त कार्रवाई करे ताकि पंचायत भवनों को वास्तव में ल्लजनसेवा केंद्र बनाया जा सके, न कि सिर्फ एक बंद कमरा।

90 वर्षीय वृद्धा को जहरीले कीड़े ने काटा, हालत गंभीर

बांगरमऊ (उन्नाव)। बांगरमऊ क्षेत्र के गांव ढोडिया में उस समय हड़कंप मच गया जब घरेलू कार्य करते समय एक 90 वर्षीय वृद्धा को जहरीले कीड़े ने काट लिया। हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कमला (90 वर्ष), पत्नी महावीर, अपने घर में गृहस्थी का सामान व्यवस्थित कर रही थीं। इसी दौरान घर के एक कोने में रखे जाल को हटाते समय उसमें छिपे एक जहरीले कीड़े ने उन्हें काट लिया। कीड़े के काटने के कुछ ही देर बाद कमला की तबीयत बिगड़ने लगी, जिससे परिजन घबरा गए और तुरंत उन्हें लेकर बांगरमऊ अस्पताल पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी हालत गंभीर बताते हुए उच्च चिकित्सा सुविधा के लिए रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि कमला की उम्र अधिक होने के कारण शरीर पर कीड़े के ज़हर का असर तेज़ हो गया। गांव में इस घटना के बाद से डर और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कीट नियंत्रण और जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है।

उन्नाव में चला परिवहन विभाग का डंडा, बिना फिटनेस वाहन सीज होंगे

- 157 वाहन चिह्नित, 8 जुलाई की डेडलाइन खत्म, 15 जुलाई तक विशेष प्रवर्तन अभियान जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिले में बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र के चलने वाले व्यावसायिक वाहनों पर शिकंजा कसने के लिए परिवहन विभाग ने फिटनेस समन्वय सप्ताह के अंतर्गत विशेष प्रवर्तन अभियान शुरू कर दिया है। 1 जुलाई से 15 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान के तहत 157 वाहनों की पहचान की गई है, जिनका फिटनेस प्रमाणपत्र समाप्त हो चुका है या वे फिटनेस परीक्षण में फ़ेल हो चुके हैं।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि सभी संबंधित वाहन स्वामियों को 8 जुलाई 2025 तक फिटनेस प्रमाणपत्र बनवाने की मोहलत दी गई थी। अब इसके बाद बिना फिटनेस पाए जाने पर वाहन सीज करने, चालान और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमों की अनदेखी पर अब कोई रियायत नहीं दी जाएगी। यह अभियान न केवल सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखकर चलाया जा रहा है, बल्कि सार्वजनिक जीवन में अनुशासित और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में भी अहम कदम है। परिवहन विभाग ने सभी वाहन स्वामियों से समय रहते फिटनेस प्रमाणपत्र नवीनीकरण की अपील की है।

> संवाददाता से बातचीत में एआरटीओ प्रशासन श्वेता वर्मा ने बताया कि यदि 15 जुलाई तक चिन्हित अनफिट वाहनों का फिटनेस अगर नहीं कराया जाता है तो एक पत्र उन्नाव एसपी दीपक भूकर को लिखा जाएगा ताकि ऐसे वाहनों पर चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जा सके, परिवहन विभाग ने सभी वाहन स्वामियों से समय रहते फिटनेस प्रमाण पत्र नवीनीकरण की अपील की हैं।
>
> **श्वेता वर्मा, एआरटीओ प्रशासन**

वृक्षारोपण अभियान ने पार किया 60 लाख का आंकड़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। वृहद वृक्षारोपण महाअभियान 2025 के अंतर्गत उन्नाव जनपद में 60 लाख 50 हजार 260 पौधों का रोपण कर तय लक्ष्य को पीछे छोड़ दिया गया। निर्धारित लक्ष्य 60 लाख 47 हजार 700 पौधों का था। इनमें से 14 लाख 5 हजार पौधे वन विभाग और 46 लाख 45 हजार 260 पौधे अन्य विभागों द्वारा लगाए गए।

अभियान की शुरुआत नोडल अधिकारी व आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने वृंदावन बाटलर्स औद्योगिक इकाई परिसर में अशोक का पौधा लगाकर की। इसके बाद जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम ग्राम कटरी पीपरखेड़ा में आयोजित हुआ, जहां दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की उपाध्यक्ष विभा सिंह ने वृक्षारोपण को पर्यावरण और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बताते हुए जनभागीदारी की सराहना की। कार्यक्रम में जिलाधिकारी गौरांग राठी, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, मुख्य विकास अधिकारी कृति राज, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह, सदर विधायक प्रतिनिधि प्रखर गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम स्थल पर 'एक पेड़ माँ के नाम' संकल्प के साथ हरीशंकरी पौधे का विधिपूर्वक रोपण किया गया। साथ ही नौग्रह वाटिका भी विकसित की गई। ग्राम्य विकास, पर्यावरण और वन विभाग के सहयोग से 8000 पौधों का रोपण किया गया। एनसीसी व एनएसएस कैडेट्स, स्कूली बच्चे, स्वयंसेवी संगठन और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। करीब 300 पौधे विद्यार्थियों ने रोपे और पौध भंडारा के तहत 1000 पौधे आमजन को वितरित किए गए।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को सिंदूर, रुद्राक्ष के पौधे और स्मृति चिह्न भेंट किए गए। नोडल अधिकारी ने उपस्थित जनसमूह से वृक्षारोपण को जीवन शैली का हिस्सा बनाने और लगाए गए पौधों की सुरक्षा का संकल्प लेने की अपील की।

प्रेम प्रसंग में पति की हत्या, पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

अचलगंज (उन्नाव)। प्रेम संबंधों के चलते एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके साथी के साथ मिलकर पति की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना का खुलासा थाना अचलगंज पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में हुआ। पुलिस ने हत्या में शामिल पत्नी शीबा और प्रेमी फरमान उर्फ चुन्ना को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरा आरोपी रफीक कुरैशी उर्फ लल्ली अभी फरार है। घटना का खुलासा तब हुआ जब 7 जुलाई को ग्राम कंचनखेड़ा के गंदा नाला पुलिया पर खून बिखरा होने की सूचना थाना अचलगंज को प्राप्त हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने तलाश के दौरान नाले से एक अज्ञात शव बरामद किया, जिसकी पहचान बाद में इमरान उर्फ काले खां पुत्र अब्बास, निवासी अखलाक नगर, थाना गंगाघाट के रूप में हुई। पुलिस की जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी शीबा के प्रेम संबंध फरमान से थे। दोनों ने रफीक कुरैशी के साथ मिलकर इमरान की चाकू से हत्या कर शव को नाले में फेंक दिया था।

राज्य पिछड़ा वर्ग के उपाध्यक्ष ने हरिशंकरी का किया पौधारोपण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग उ. प्र. के उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली द्वारा बुधवार को मां शीतला अतिथि गृह सिराथू में वन विभाग द्वारा आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जन अभियान एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत पीपल, पाकड़ व बरगद का पौधारोपण कर आमजन से अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज का दिन उ. प्र. के लिए बहुत बड़ा दिन हैं। आज पूरे प्रदेश में लगभग 37 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य हैं। जनपद कौशाम्बी में भी 25 लाख 14 हजार 7 सौ पौधारोपण का लक्ष्य हैं। प्रधानमंत्री के आवाह्न पर एक पेड़ मॉ के नाम लगाने का अभियान हैं। उपाध्यक्ष सोहन लाल श्रीमाली ने कहा कि अगर पेड़ नहीं होगा तो वर्षा नहीं होगी, तथा नहीं होने से हमारे आपके बच्चों के बच्चों को जल के संकट का सामना करना पड़ सकता हैं, इसलिए हम सबका पहला और आखिरी धर्म है कि हम पेड़ लगायें भी और पेड़ बचायें भी। पेड़ वर्तमान भी है और पेड़ भविष्य भी हैं, पेड़ से पर्यावरण की रक्षा होती हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष द्वारा किसानों को पौधा एवं तिलहन मिनीकिट अन्तर्गत तिल का बीज एवं श्री अन्न योजनान्तर्गत मोटे अनाज-बाजरा, ज्वार, सावॉ व रागी के बीज मिनी किट का कृषकों को निःशुल्क वितरित किया गया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने भी पौधारोपित कर पर्यावरण संतुलन व हरियाली बढाने का संदेश दिया। पौधारोपण के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि बढते प्रदूषण व जलवायु परिवर्तन की समस्या का समाधान केवल वृक्षारोपण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता से ही सम्भव है। प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर, पूर्व विधायक शीतला प्रसाद , पूर्व विधायक लाल बहादुर, प्रभागीय वनाधिकारी, उप निदेशक कृषि सतेन्द्र कुमार तिवारी, उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल, पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी अश्विनी कुमार, खण्ड विकास अधिकारी सिराथू सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

प्रदेश सरकार के स्कूलों को मर्ज करने के फैसले पर 'आप' ने जताया कड़ा विरोध

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोण्डा /पंडरी कृपाल। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के मंदिर 27000 प्राथमिक विद्यालयों को बंद करके गरीबों कमजोरों के आगे बढ़ने के रास्ते पर कॉटा बोने का काम कर रही है इससे ना केवल दलित पिछड़ों के बच्चों के हाथ से उनका भविष्य ले रही हैं साथ ही साथ जो बच्चे थ्द्द/थ्द करके एक शिक्षक के रूप में देश सेवा करना चाहते हैं उनके भविष्य को भी बर्बाद करने का काम रही हैं वही आम आदमी पार्टी की नीति रही है कि शिक्षा और स्वास्थ्य को प्रदान करके गरीबों कमजोरों को आगे बढ़ने का अवसर दिया जाए जबकि बीजेपी इसे पूंजीपतियों को बेचना चाह रही हैं इसलिये माननीय राज्यसभा सांसद/उत्तर प्रदेश के प्रभारी माननीय संजय सिंह जी ने निर्देश दिया है कि इस फैसले का पुरजोर तरीके से विरोध करना है और इस तानाशाह सरकार को शिक्षा विरोधी फैसले वापस लेने के लिए मजबूर कर देना है इसी क्रम में गोंडा जिला अध्यक्ष श्री अजय कुमार मिश्र/अज्जू पंडित जी के नेतृत्व में आज दिनांक- 09-07-2025 को पंडरी कृपाल ब्लॉक के तुलसी पुर कोडरी विद्यालय जिसको सरकार द्वारा बंद किया जा रहा है वहां पहुंच कर प्रभावित बच्चों और उनके अभिभावकों को साथ लेकर विरोध दर्ज कराया गया और सुनिश्चित किया गया कि जिले के जितने विद्यालय बंद किए जा रहे सभी में पहुंच कर बच्चों और अभिभावकों के साथ मिलकर विरोध दर्ज किया जाएगा और सरकार को बच्चों और युवा विरोधी निर्णय को वापस लेने पर मजबूर कर दिया जाएगा।

इस मौके पर जिला प्रवक्ता विवेक शुक्ला, हनुमत पटेल तथा प्रभावित बच्चे और अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे और सरकार को चेताया कि अगर सरकार अपना तानाशाह फैसला वापस ना लेकर बच्चों और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया तो सरकार को इसका खामियाजा 2027 के चुनाव में भुगतना पड़ेगा।

पर्यावरण को सुरक्षित एवं संतुलित रखने के लिए वृक्षारोपण बहुत जरूरीः मंत्री

- नोडल अधिकारी के साथ मंत्री ने किया वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद एवं प्रमुख सचिव बाह्य सहायतिक परियोजना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय विभाग/नोडल अधिकारी जनपद बॉदा पंधारी यादव तथा जनपद के जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी श्रीमती जे.रीभा सहित अन्य अधिकारियों द्वारा बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत आज जनपद के ग्राम दुरैडी एवं अन्य स्थानों में वृक्षारोपण किया गया वृक्षारोपण किया।

वृक्षारोपण के अनतर्गत मुख्य कार्यक्रम ग्राम दुरेड़ी में जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने वृक्षारोपण जन अभियान 2025 के अन्तर्गत आज वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ विधिवत पूजा अर्चना कर किया। उन्होंने स्वयं भी जनपद के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ वृक्षारोपण करते हुए कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित एवं संतुलित रखने के लिए वृक्षारोपण को जन सहयोग से एक अभियान के रूप में किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आव्हान के अनुसार एक पेड अपनी मॉ के नाम अवश्य लगायें और उसे सुरक्षित रखने का संकल्प लें। वृक्षारोपण धार्मिक एवं प्राकृतिक विरासत से जुडता है। नदी व तालाब के किनारे भी वृक्षारोपण किया जा रहा है। वृक्ष हमें शुद्ध हवा जीवन को स्वस्थ्य रखने हेतु देते हैं एवं भूगर्भ जल स्तर को संतुलित रखने में सहायता करते हैं, इसलिए सभी लोग एक वृक्ष मॉ के नाम अवश्य लगाते हुए उसकी सुरक्षा करें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के द्वारा ग्राम वन वाटिका बनायी जा रही है। प्रत्येक ब्लाक एक वन वाटिका विकसित की जा रही है। यह वाटिका धीरे-धीरे ग्राम स्तर तक विकसित की जायेगी। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के द्वारा आठ वन क्षेत्र की भी स्थापना की जा रही है।

प्रमुख सचिव बाह्य सहायतिक परियोजना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय विभाग/नोडल अधिकारी जनपद बॉदा पंधारी यादव ने कहा कि वृक्षारोपण के उपरान्त हमें वृक्षों को सुरक्षित रखना अति आवश्यक है। उन्होंने पौध वितरण करते हुए कहा कि सहजन का वृक्ष व अन्य बहुत ही लाभकारी हैं। हर वृक्ष की अपनी महत्ता है। वृक्ष जल स्तर में वृद्धि करने के साथ पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। वृक्षारोपण से इस क्षेत्र में हरियाली बढेगी एवं वर्षा के समय यह वृक्ष सहायक होंगे। उन्होंने वृक्षों को सुरक्षित व संरक्षित करने के लिए ग्राम प्रधान को आवश्य व्यवस्था कराये जाने हेतु निर्देशित किया। पद्य्मश्री उमांशकर पाण्डेय ने कहा कि एक पेड दस पुत्रों के समान है, अतः वृक्ष अवश्य लगायें, वृक्ष पर्यावरण को शुद्ध रखने के साथ जलवायु परिवर्तन में सहायक हैं। अनेक वृक्षों से हमें औषधियां एवं छाया तथा ईधन आदि की प्राप्ति होती है। उन्होंने जल संचयन एवं वृक्षारोपण पर जोर देते हुए कहा कि आगे आने वाले समय में दोनों का ही अत्यन्त महत्व है, जिसके बिना जीवन में अनेकों कठनाईयां हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि एक वृक्ष के लगाने से 10 बच्चे स्वस्थ्य रहते हैं, इसलिए सभी लोग एक-एक वृक्ष अवश्य

अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे दो अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध मादक पदार्थों व अवैध शस्त्रों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

उपमुख्यसिग्नल एवं दूरसंचारइंजी०/निर्मा०-II/लखनऊ, कार्यालय संकुल, निर्माण संगठन उ.रे. चारबाग लखनऊ-226004, भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित प्रपत्र पर ई-निविदा दो पैकेट प्रणाली के तहत निम्नलिखित कार्य के हेतु आमंत्रित की जा रही है:-

1	कार्य का नाम एवं स्थान: उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के BSB-DDU खंड के बीच 3-4 लाइन के काम के संबंध में काशी स्टेशन (चरण-I) के यार्ड रीमॉडलिंग के संबंध में काशी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम (डिस्ट्रीब्यूटेड टाइप। सेंट्रल और 2 ईआई हट्स) के साथ इनडोर और आउटडोर सिग्नलिंग कार्यों का प्रावधान, काशी स्टेशन पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का प्रावधान के साथ BSB-KEI-VYN खंडों में ईआई आधारित ऑटोमैटिक सिग्नलिंग में आवश्यक संशोधन एवं BSB-KEI-VYN खंडों में संबंधित दूरसंचार कार्य।
2	पूरा होने की अवधि: 09 (नौ) महीने (स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से)
3	कार्य की अनुमानित लागत: रु.11,13,11,583.81 (रुपये ग्यारह करोड़ तेरह लाख ग्यारह हजार पाँच सौ तिरासी और पैसा इक्यासी केवल)
4	निविदा दस्तावेज राशि एवं धरोहर राशि: रु शून्य एवं धरोहर राशि आई आर ई पी एस पर एन आई टी में उल्लिखित है।
5	ऑफर की वैधता: 90 दिन निविदा खुलने की तिथि से
6	निविदा बंद होने तथा निविदा खुलने की तारीख एवं समय: 01.08.2025 को 11:30 बजे तक आई आर ई पी एस वेब साइट यानी www.ireps.gov.in पर निविदा अपलोड की जा सकती है। बोली दाता ई-टेंडर में भाग ले सकता है, निविदा 01.08.2025 को 11:30 बजे खोली जाएगी।
7	वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है: विस्तृत ई-टेंडर नोटिस उत्तर रेलवे की वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आई आर ई पी एस की वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर 10.07.2025 से 01.08.2025 तक 11:30 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। ई-टेंडर में भाग लेने की इच्छा रखने वाले बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से खुद को पंजीकृत करें, जिसके लिए उन्हें आईटी अधिनियम-2000 के तहत CCA द्वारा जारी तृतीय श्रेणी डिजिटल प्रमाण पत्र (यदि पहले से प्राप्त नहीं हुआ है) प्राप्त करना होगा। उपरोक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना को उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

निविदा सूचना संख्या-287-सिग/सी०-II/लखनऊ/निविदा/01/25 दिनांक 10.07.2025 2071/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

वित्त मंत्री लगे शहरवासियों को सुख सुविधाएं मुहैय्या कराने में

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- कुछ लोग मंत्री जी के सुखद कार्यों पर फ़ेर रहे पानी

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर की धरोहर और दो नदियों के बीच बसा शाहजहांपुर जनपद अपनी धरोहरों और विरासतों को विलुप्त होते हुए देख रहा है।कुछ समाज के दुश्मन शाहजहांपुर की दशकों पुरानी धरोहरों को नष्ट कर आम जनता के जीवन के साथ खिलवाड़ तो कर ही रहे हैं साथ ही पर्यावरण को नष्ट करने में पूरी तरह लगे हुए हैं। इस समय शाहजहांपुर जनपद का ग्राम राईखेड़ा खास सुर्खियों में है।हो भी क्यों ना,क्योंकि इस ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली गर्रा नदी कुछ लोगों के लिए सोना उगल रही है।सीधे सीधे कहें ग्राम राईखेड़ा स्थित ग्राम समाज में सात किलोमीटर से ज्यादा एरिया गर्रा नदी में आता है।ये छेत्र सत्तापक्ष से जुड़े कुछ लोगों और कुछ प्रशासन के दलालों के लिए वरदान साबित हो रहा है।दरअसल काफी बड़े क्षेत्रफल के स्वरूप में बहती गर्रा नदी में प्रतिवर्ष बरसात के मौसम में भारी मात्रा में रेत आ जाता है।चूंकि कई वर्षो से रेत का ठेका होना बंद हो चुका है यही से तथाकथित नेताओं,पुलिस के दलालों,खनन माफियाओं की लाटरी निकल आई। जनपद शाहजहांपुर की खास पहचान गर्रा नदी और खन्नौत नदी है।दोनों नदियों के बीच में बसा है शाहजहांपुर महानगर।कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि कभी शाहजहांपुर जनपद की पहचान इन दोनों नदियों की वजह से ही होती थी।दोनों नदियां अंग्रेजों के जमाने से पहले से अविरल धारा से वह रही हैं।दोनों नदियों के पुल भी अंग्रेजों के जमाने से पहले के बने हुए हैं।लेकिन अब इन दोनों नदियों का अस्तित्व खतरे में नजर आ रहा है।क्योंकि जिस तरीके से दोनों नदियों से या खास माने तो गर्रा नदी में जिस गति से अवैध खनन हो रहा है उससे छुटभैय्ए नेताओं और कुछ चाटुकारों की तिजोरियां तो भर रही हैं लेकिन नदी अपना मूल स्वरूप खोती जा रही है।अजीजगंज स्थित जो गर्रा नदी पर पुल बना है वहां से लेकर तिलहर क्षेत्र के नगरिया गांव तक लगभग आठ किलोमीटर के क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर खनन किया गया है कि अब बाढ़ आने पर नदी का बहाव किधर जाएगा कुछ नहीं कहा जा सकता।

जनपद के कई रिहायशी इलाके बाढ़ की चपेट में आ सकते

शाहजहांपुर। विगत वर्ष गर्रा नदी में आई बाढ़ का पानी अजीजगंज से पहले बने डैम से काफी पहले ही सड़क काटकर कांशीराम कालोनी, साउथ सिटी,ग्राम नवादा इन्देपुर,आदि क्षेत्रों में पहुंच गया था। बाढ़ की विभीषिका इतनी थी कि इन क्षेत्रों में कई कई फीट तक बाढ़ का पानी भर गया था।तथा कई दिनों तक पानी भरा रहने से क्षेत्रीय वाशिंदों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा था।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-Sig-Tender-14-2025-26
कार्य का नाम	सिग्नलिंग वर्क्स इन कनेक्शन विथ प्रोविजन ऑफ सेफ्टी फेंसिंग (एंटी क्रैश बेरियर/आर.सी.सी. वाल, ई.टी.सी.) इन बी.एस.बी. – बी.टी.पी. खंड कि.मी. 772.601 टू कि.मी. 789.00 एंड बी.टी.पी.-जेड.बी.डी. सेक्शन खंड कि.मी. 789.00 टू कि.मी. 824.00 एंड इन के.एस. – टी.एल.जी.आर. सेक्शन कि.मी. 852.00 टू कि.मी. 880.00 (वन्दे भारत रूट) ऑफ लखनऊ डिवीजन ऑफ नॉर्दर्न रेलवेज।
अनुमानित लागत	रु. 1,21,69,035.08
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रु. 2,10,900.00
कार्य पूरा करने की अवधि	300 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	31.07.2025, 15:30 बजे तक।
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	http://www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/म.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

• टेंडरदाता को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

निविदा सू. सं.: 106-सिग-टेण्डर-14/2025-26 दिनांक: 08.07.2025 2066/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.: 106-Sig-Tender-13-2025-26	
कार्य का नाम: "एस एंड टी वर्क इन कनेक्शन विथ प्रोविजन ऑफ आर. यू. बी. इन लिउ ऑफ एल. सी. नं. 129-एस. पी. एल. ऐट किमी. 985.350 इन मिहालपट (एन.एच.ए.) यार्ड ऑफ एस. एल. एन.-यू. टी. आर. सेक्शन एंड आर. यू. बी. इन लिउ ऑफ ट्रैफिकिंग लोकेशन ऐट किमी. 830/7-8 (जे. ओ. पी. बी. के. एस. ए.) इन जेड. बी.-एल. एस. एल. सेक्शन ऑफ लखनऊ डिवीजन ऑफ नॉर्दर्न रेलवेज।"	
अनुमानित लागत: रु. 30,03,726.37	
निविदा प्रपत्र की कीमत: निल	
धरोहर राशि: रु. 60,100.00	
कार्य पूरा करने की अवधि: 270 दिन	
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय: 31.07.2025 15:30 बजे तक	
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है: वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/म.रे.प्र.कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ	

टेंडरदाता को ई-निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है।
- समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेगी।

सं. 106-सिग-टेण्डर-13/2025-26 दिनांक: 08.07.2025 2067/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/उ. रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20402-SLR-F2-LKO-BSB-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	08.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	25.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	25.07.2025 at 10:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12184-SLR-R1-MBDP-BPL-25-1 (PARCEL-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	08.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	25.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	25.07.2025 at 10:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14262-SLR-F1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	08.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	25.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	25.07.2025 at 10:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20401-SLR-R1-BSB-LKO-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	08.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	25.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	25.07.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	19402-SLR-F2-LKO-SBIB-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	08.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	24.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	24.07.2025 at 10:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12237-SLR-F1-BSB-JAT-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	08.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	24.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	24.07.2025 at 10:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	22175-22177-VP-1-BSB-CSMT-25-5 (Parcel-Parcel Van)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	08.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	24.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	24.07.2025 at 10:50 hrs.

Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders : E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2055/2025

छोटी काशी गोला में गंदे पानी की चुनौती

- क्या लाखों कांवरियों को इस बार भी कीचड़ और बदबू से होकर जाना पड़ेगा शिव मंदिर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। 11 जुलाई से शुरू हो रहे पवित्र सावन मास को लेकर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में तैयारियां तो जारी हैं, लेकिन नगर की जमीनी हकीकत अब भी श्रद्धालुओं के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। हल्की बारिश में ही मुख्य मार्गों से लेकर मंदिर की गलियों तक गंदा पानी भर जा रहा है, और नगर प्रशासन अब तक इस समस्या का कोई स्थायी हल नहीं निकाल पाया है। निरीक्षण हो रहा, सुधार नहीं डीएम से लेकर एसपी और नगर के नेता लगातार गोला का निरीक्षण कर रहे हैं। मगर निरीक्षण के बाद भी गलियों में जलभराव, सीवर ओवरफ्लो और नालियों की गंदगी जस की तस बनी हुई है। शिव मंदिर मार्ग पर भी शहर का गंदा पानी एकत्र हो जाता है, जिससे तीर्थ स्थल की पवित्रता पर भी प्रश्नचिह्न लग रहा है। क्या आस्था की राह फिर होगी बदहाल? हर वर्ष सावन में गोला गोकर्णनाथ – जिसे छोटी काशी कहा जाता है – में लाखों श्रद्धालु बाबा चंद्रभाल जी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। गंगा जल लेकर आए कांवरियों को कीचड़, गंदगी और बदबू भरे रास्तों से गुजरना पड़ता है। सवाल उठता है कि क्या इस बार भी आस्था की राह में अव्यवस्था की बाधा बनी रहेगी? नगर प्रशासन के दावों पर उठे सवाल गोला नगर पालिका द्वारा कई बार सफाई अभियान, पंपिंग की व्यवस्था और जल निकासी को लेकर दावे किए गए हैं। लेकिन हल्की बारिश में ही नगर की हकीकत सामने आ जाती है।

श्रद्धालुओं की मांगः साफ-सुथरा और सुरक्षित रास्ता हो सुनिश्चित स्थानीय समाजसेवियों और नागरिकों ने मांग की है किः जलभराव वाले इलाकों में तत्काल पंपिंग करवाई जाए शिव मंदिर जाने वाले मार्गों की सफाई युद्धस्तर पर हो। जलनिकासी व्यवस्था में सुधार किया जाए। कांवर यात्रा से पहले स्थिति का रीयल टाइम सर्वे कर तैयारियां पूर्ण की जाएं। सिर्फ निरीक्षण नहीं, अब कार्रवाई हो ऽ स्थानीय नागरिक नगर की जनता और व्यापारियों का कहना है कि केवल VIP निरीक्षण से कुछ नहीं होगा, यदि प्रशासन ने अब भी ध्यान नहीं दिया तो लाखों कांवरियों को फिर से गंदे पानी में उतरकर भगवान भोलेनाथ तक जाना पड़ेगा।

वृक्षारोपण महाअभियान 2025 के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम थीम पर कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। उत्तर प्रदेश शासन एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुपालन महाविद्यालय मे बुधवार को वृक्षारोपण महाभियान-2025 के अन्तर्गत ''एक पेड़ माँ के नाम'' थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौधारोपण महाअभियान प्रातः 6:00 बजे से प्रारंभहुआ तथा निर्धारित समय तक महाविद्यालय परिसर एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में चलाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य राजा राज राजेश्वर सिंह (झण्डीराज एवं भाजपा प्रदेश संयोजक, उ0प्र0) ने महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया इसी क्रम में प्राचार्य प्रो0 हेमंत पाल, चीफ प्रॉक्टर प्रो0 सुभाष चन्द्रा, पौधरोपण कार्यक्रम संयोजक डा0 सतेन्द्र पाल सिंह, प्रो0 ज्योति पन्त, पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबन्धक व स्टाफ, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी, एन0सी0सी0, रोवर्स-रेन्जर्स, एन0एस0एस0 के छात्र-छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर अनार, आम, जामुन, नींबू शीशम, आंवला, बकैना, बिलायती बबूल, पाकड़, नीम, अमरूद टिकोमा, बेल, जराकुश, कंजी, करी पत्ता आदि प्रजातियों के फलदार एवं छायावाले वृक्ष लगाए गए। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो0 हेमंत पाल ने अभियान में उपस्थित सभी को रोपित पौधों के संरक्षण का संकल्प दिलाया साथ ही अभियान में शामिल छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रो0 हेमन्त पाल ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पेड़ लगाना धरा को हरा भरा बनाने के साथ-साथ अच्छे स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए आवश्यक है।

गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर अयोध्या पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह, साधु-संतों से लिया आशीर्वाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या। कैसरगंज के पूर्व सांसद एवं भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह गुरु पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर रामनगरी अयोध्या पहुंचे। यहां उन्होंने विभिन्न मठ-मंदिरों में जाकर संत-महंतों से मुलाकात की और आशीर्वाद प्राप्त किया बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि गुरु पूर्णिमा समर्पण और श्रद्धा का पर्व है, यह दिन गुरु को समर्पित होता है। उन्होंने कहा, ्गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति अधूरी है। हम सबका यह कर्तव्य है कि अपने गुरुओं का सम्मान करें और उनसे आशीर्वाद लें। इसी उद्देश्य से आज अयोध्या की भूमि पर आकर मैं संत समाज से आशीर्वाद प्राप्त कर रहा हूं।

बृजभूषण सिंह ने छोटी छावनी, श्री वल्लभा कुंज, निर्मोही अखाड़ा, हनुमानगढ़ी, लक्ष्मण किला सहित अयोध्या के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों और मठों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने जगतगुरु राम दिनेशाचार्य जी महाराज से भेंट की और गुरु पूर्णिमा के महत्व पर चर्चा की उनकी इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया। संत समाज ने भी बृजभूषण सिंह के आगमन पर उन्हें शुभाशीर्वाद प्रदान किया और गुरु-परंपरा के संरक्षण में सहयोग देने की बात कही।

सांसद उत्कर्ष ने किया क्षेत्र का भ्रमण, पीडीए के बारे में बताया

गोला गोकर्णनाथ खीरी। लोकसभा खीरी क्षेत्र के सपा सांसद उत्कर्ष वर्मा मधुर ने गोला विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मझिगवां निवासी पूर्व प्रधान वीर सिंह वर्मा की पत्नी एवं हफीजपुर निवासी निर्मल सिंह की माता के निधन के उपरांत मंगलवार को उनके घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त कर परिवारजनों को ढांढस बंधाया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान गोला के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जनता दरबार लगाकर कई लोगों की समस्याएं सुनकर उनके निदान के लिए संबंधितों को दिशा निर्देश दिए। जिसके बाद सांसद टीम समेत क्षेत्र के इब्राहिमपुर, रसूल पनाह, मलूकापुर पिपरिया धनी,कल्लू पुरवा, पिपरा खुर्द,बैवहा मुन्नू,पिपरिया आदि गांवों में पहुंचकर पीडीए की चौपाल लगाई। चौपाल में जनता से स्थापित संवाद में पीडीए के बारे में विस्तार से बताते हुए सपा की नीतियों का प्रचार प्रसार किया और संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया गया। बताया कि शोषितों, वंचितों, दलितों, पिछड़ों,अल्पसंख्यक समेत सर्व समाज का हित पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में ही सुरक्षित है।

युगल सरकार कुंज प्रजापति पंचायती मंदिर में वार्षिक उत्सव सम्पन्न, भंडारे का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अयोध्या धाम। रामनगरी अयोध्या स्थित स्वर्ग द्वार मोहल्ले में प्राचीन श्री युगल सरकार कुंज प्रजापति पंचायती मंदिर समिति द्वारा वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन मंदिर में किया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में साधु संत ,महंत गृहस्थ एवं भक्तों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं व संत समाज ने सम्मिलित रहे समिति के अध्यक्ष रामदेव प्रजापति महामंत्री संजय कुमार प्रजापति ने बताया कि यह परंपरा बीते 117 वर्षों से निरंतर चली आ रही है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरू पूर्णिमा से पूर्व 8 जुलाई को अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया, जिसका समापन 9 जुलाई को हुआ। समापन के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें अयोध्या के प्रमुख संत, महंत और श्रद्धालु सम्मिलित हुए और उपस्थित साधु संतों को अंग वस्त्र व दक्षिणा देकर सम्मान किया गया।

समिति के पदाधिकारी द्वारा मंदिर की भोग राग़ एवं ठाकुर जी की पूजा पाठ देखरेख हेतु श्रीपाल दास को तिलक लगाकर रामनवमी पटिका देकर मंदिर पुजारी की जिम्मेदारी सौंपी गई । इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारी ने जानकारी दी की मंदिर अत्यंत प्राचीन धार्मिक धरोहर है, जिसकी सुरक्षा व संरक्षण आवश्यक है मंदिर समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सरकार से मांग किया कि श्री युगल सरकार कुंज मंदिर को 'जीणोद्धार' में शामिल किया जाए तथा इसके जीर्णोद्धार कार्य को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए।

उत्तर रेलवे

ई ऑक्शन सूचना दिनांक: .06.2025

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ -उ.रे. -मण्डल -वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14207-SLR-F2-MBDP-DLI-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.07.2025 at 10:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20415-SLR-F2-BSB-INDB-22-3 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.07.2025 at 10:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12231-SLR-F1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.07.2025 at 10:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14205-SLR-F2-AYC-DLI-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.07.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12419-SLR-F2-LKO-NDLS-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.07.2025 at 11:10 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14266-SLR-F2-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.07.2025 at 11:20 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	22614-SLR-F2-AYC-RMM-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.07.2025 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20413-SLR-F2-BSB-INDB-22-3 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	18.07.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	18.07.2025 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14260-SLR-F1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.07.2025 at 10:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14229-SLR-F1-PYGS-YNRK-22-3(Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.07.2025 at 10:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14241-SLR-F1-PYGS-SRE-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.07.2025 at 10:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14235-SLR-R1-BSB-BE-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.07.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12237-SLR-F2-BSB-JAT-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.07.2025 at 11:10 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20402-SLR-R1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.07.2025 at 11:20 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14013-SLR-F2-SLN-ANVT-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.07.2025 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12237-SLR-F1-BSB-JAT-23-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.07.2025 at 11:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20402-SLR-F1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.07.2025 at 10:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14260-SLR-R1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.07.2025 at 10:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14262-SLR-F2-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.07.2025 at 10:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14262-SLR-R1-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.07.2025 at 11:00 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20401-SLR-F2-BSB-LKO-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.07.2025 at 11:10 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	22104-SLR-F2-AYC-LTT-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.07.2025 at 11:20 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20401-SLR-F1-BSB-LKO-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.07.2025 at 11:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12231-SLR-R1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.07.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.07.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	22.07.2025 at 11:40 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2349/2025

धौरहराः सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी से तनाव, हिंदू संगठनों ने दी तहरीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। थाना धौरहरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत शेखनपुरवा निवासी एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाएं आहत करने वाली आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने से क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। आरोपी ने सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस, को अपमानजनक शब्दों में संबोधित किया, हिंदू धर्म के अनुयायियों के प्रति आपत्तिजनक बातें कही तथा रामायण को काल्पनिक ग्रंथ बताया। पोस्ट सामने आने के बाद भारतीय हिंदू परिषद, अखंड भारत गौ रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने त्वरित रूप से थाना धौरहरा पहुंचकर इंस्पेक्टर को लिखित तहरीर सौंपी और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। संगठन के कार्यकर्ताओं ने इसे सनातन धर्म का अपमान बताते हुए दोषी पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की। सूत्रों के अनुसार, आरोपी मुशीर अहमद स्वयं थाने पहुंच गया, जहां पुलिस द्वारा उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जा रही है तथा सभी तथ्यों और सबूतों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच क्षेत्र में स्थिति सामान्य बनी हुई है, हालांकि पुलिस द्वारा सतर्कता बरती जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। थाना पुलिस लगातार निगरानी में है और ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। भारतीय हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि ्यह केवल हमारे धर्म पर नहीं, पूरे सनातन आस्था पर हमला है। यदि आरोपी पर कार्रवाई नहीं होती तो हम जन आंदोलन को बाध्य होंगे। इस मामले धौरहरा कोतवाली प्रभारी सुरेश मिश्रा ने बताया की विधिक कार्रवाई के साथ जेल भेजने की कार्रवाई की कडी जाएगी जिससे क्षेत्र में धर्म को लेकर अभद्र टिप्पणी की पुनरावृत्ति ना हो सके।

बांकेगंज सीएचसी अधीक्षक का आशा संगिनियों के प्रति अभद्र व्यवहार

महिलायें बोली- अधीक्षक कहते हैं मटके जैसा पेट लेकर घूम रही हो, अपनी नसबंदी कराओ, अपने पति की कराओ

- अधीक्षक ने मीडियाकर्मियों से बात करने से किया इन्कार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। बांकेगंज सीएचसी परिसर में मंगलवार को आशा व आशा संगिनी के समूह ने सीएचसी अधीक्षक अमित सिंह के विरूद्ध जमकर नारेबाजी की । उन्होंने आरोप लगाये कि सीएचसी अधीक्षक आये दिन उनके साथ अभद्रता और अश्लील बाते करते हैं । हद तो तब हो गयी जब मंगलवार को उनसे अपने बकाये भुगतान और रूपये कटौती को लेकर उनसे वार्ता करने के लिए आशा व आशा संगिनी पहुंची । जिस पर अधीक्षक ने उन सभी को अपशब्दों का प्रयोग करते हुए मीटिंग हाल के बाहर से ही भगा दिया । जिसके बाद आशा संगिनियों का गुस्सा फूटा और वह सीएचसी गेट पर ही अधीक्षक के विरूद्ध नारेबाजी करने लगी । आशा संगिनियों ने बताया कि उन्होंने अपने भुगतान कटौती के सम्बन्ध में एक प्रार्थना-पत्र सीएचसी अधीक्षक को 1 जून को सौंपा था कि उनको 2023 में मार्च का भुगतान आज तक नहीं मिला और मार्च 2025 का रूपया नहीं मिला। इसके अलावा मार्च से अभी तक के भुगतान में कटौती की जा रही है । इधर एक माह व्यतीत होने पर उनकी ओर से कोई स्पष्ट जबाब न मिला। संगिनियो का कहना है कि उनसे और आशाओं से सुबह से लेकर शाम तक धूप में काम लिया जाता है और उसके बदले पिछले 3 माह के मिलने वाले भुगतान में लगातार कटौती की जा रही है । जब कार्य के पारिश्रमिक की बात की जाती है तो कहते हैं नौकरी छोड़ दो और ज्यादा आवाज उठाओगी तो लेटर बनाकर ऊपर भेज देंगे। आशा संगिनियों का कहना है कि जब मीटिंग होती है तो मीटिंग में खाने की व्यवस्था तक नहीं की जाती है । हमारी आशायें भी आती हैं और हमारे साथ वह भी पूरा दिन भूखी-प्यासी बैठी रहती हैं। टॉयलेट इतने गंदे रहते हैं कि नाक बंद करके जाना पड़ता है । सरकार द्वारा जो मीटिंग में हमारे खाने-पीने का रूपया आता है, वह तक हमको नहीं मिलता । आशा संगिनियों का कहना है कि उनके लिए 9300 भुगतान आता है । इसके साथ 1500 रूपये स्टेट बजट का आता है और कुछ अन्य रूपया भी आता है जो दबा दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सीएचसी अधीक्षक द्वारा आशा और आशा संगिनियों के अंदर कार्यवाई का इतना डर भर दिया है कि वह अपनी आवाज तक नहीं उठा पा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाये कि अधीक्षक का कहना है कि ''नसबंदी का टार्गेट पूरा नहीं कर पा रही हो मटके जैसा पेट लेकर घूम रही हो । अपनी नसबंदी करवाओ अपने पति की नसबंदी करवाओ । इस मौके पर रमा तिवारी, पूनम देवी, कमलेश कुमारी, सुमन देवी, सीमा देवी, प्रेमा देवी, नीरू देवी, सावित्री, शीला कश्यप, गीता देवी, कल्पना देवी, फिरोज देवी, सीता देवी, अंशु देवी, दयावती,शकुंतला देवी राजकुमारी आदि आशा संगिनी व आशायें मौजूद रही ।

बिजली, पानी, शिक्षा और कृषि के लिए जूझ रही है जनता : सांसद आनंद भदौरिया

- जनता ठगी हुई महसूस कर रही है, समाजवादी पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा : प्रदेश सचिव रेहान खान
- नसीरुद्दीन मेमोरियल हॉल में समाजवादी पार्टी का एक दिवसीय धरना, सरकार की नीतियों के खिलाफ गरजा विपक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। बुधवार को समाजवादी पार्टी ने नसीरुद्दीन मेमोरियल हॉल, लखीमपुर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। इस धरने का नेतृत्व धौरहरा से समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया ने किया। धरने में सैकड़ों की संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, पूर्व विधायकगण, महिला कार्यकर्ता, छात्र संगठन, किसान सभा और व्यापार प्रकोष्ठ के सदस्य मौजूद रहे।धरने के दौरान छह प्रमुख जनसमस्याओं खराब विद्युत व्यवस्था, अघोषित बिजली कटौती, जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार, खाद की किल्लत, बाढ़ और कटान से सुरक्षा को लेकर लापरवाही, और प्राथमिक विद्यालयों को बंद किए जाने ऽ पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया गया।सांसद आनंद भदौरिया ने कहा, प्रदेश की जनता आज बिजली, पानी, शिक्षा और कृषि जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। जल जीवन मिशन में घोटाले की तस्वीर सामने है, लेकिन सरकार आंख मूंदे बैठी है।

किसान खाद के लिए भटक रहे हैं और बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। समाजवादी पार्टी चुप नहीं बैठेगी, ज़रूरत पड़ी तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन होगा।सपा जिलाध्यक्ष रामपाल यादव ने कहा कि सरकार सिर्फ कागजों पर योजनाएं दिखा रही है, जबकि जमीनी हकीकत बेहद भयावह है। उन्होंने दावा किया कि आम जनता हर रोज़ मूलभूत समस्याओं से जूझ रही है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है।समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, प्रदेश की जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। जल जीवन मिशन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है, लेकिन सरकार चुप है। गांव-गांव में लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। किसान खाद के लिए परेशान हैं, और बिजली कटौती ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

वहीं प्राथमिक विद्यालयों को बंद कर गरीब बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी इन जनमुद्दों पर संघर्ष कर रही है और समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

विधायक निवास के सामने मौत का कुंआ!

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। कस्बे की मुख्य सड़क पर नगर पंचायत धौरहरा की घोर लापरवाही एक बड़े हादसे को निमंत्रण दे रही है। धौरहरा-पलिया हाईवे पर पावर हाउस चौराहे से सदर बाजार को जोड़ने वाली इस व्यस्त सड़क पर, विधायक निवास से महज कुछ कदम की दूरी पर एक खुला मेनहोल जानलेवा बन चुका है। यह मार्ग कस्बे को हाईवे से जोड़ने वाला मुख्य रास्ता है, जिससे प्रतिदिन सैकड़ों टू-व्हीलर, फोर-व्हीलर और पैदल राहगीर गुजरते हैं। खुला मेनहोल न सिर्फ हादसे का कारण बन सकता है, बल्कि रात के अंधेरे में तो यह और भी खतरनाक साबित हो रहा है। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार नगर पंचायत से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। हैरानी की बात यह है कि यह जानलेवा गड्ढा क्षेत्रीय विधायक के सरकारी निवास से कुछ ही दूरी पर है, फिर भी इसे नजरअंदाज किया जा रहा है। सवाल उठता है कि आखिर कब तक नगर पंचायत धौरहरा इस तरह की लापरवाही करती रहेगी? क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही प्रशासन जागेगा? और यदि कोई अप्रिय घटना होती है तो क्या नगर पंचायत उसकी जिम्मेदारी लेगी? धौरहरा की जनता अब नगर प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग कर रही है ताकि इस मौत के कुंए को जल्द से जल्द ढंका जा सके और राहगीरों की जान सुरक्षित रह सके।

‘एडवांटेज लॉर्ड्स’ के लिए उतरेंगे भारत और इंग्लैंड

एजेंसी

लंदन। भारत और इंग्लैंड सीरीज में 1-1 की बराबरी हो जाने के बाद गुरुवार से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में 'एडवांटेज लॉर्ड्स' के लिए उतरेंगे। जीतने वाली टीम को सीरीज में 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हो जायेगी। पहला टेस्ट हारने के बाद भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में जबरदस्त वापसी करते हुए रनों के लिहाज से 336 रन से विदेशी जमीन पर अपनी सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। दूसरा मैच हारने के बाद इंग्लैंड की टीम भी वापसी करने के लिए बेताब होगी और इसके लिए उसने लॉर्ड्स में तेज और उछाल वाली पिच रखने को अपना लक्ष्य बनाया है। इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी 'जीवंत पिच' की मांग की है। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई 'उपमहाद्वीप जैसी' पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है। इस मैच में तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन की इंग्लिश टीम में वापसी हो सकती है। हैमस्ट्रिंग खिंचाव के बाद एटकिंसन की कमी इंग्लैंड को खली है और उनकी रिकवरी उम्मीद से ज्यादा लंबी रही है। लेकिन उन्हें तीसरे टेस्ट के लिए 16 सदस्यीय दल में शामिल किया गया है, जिसमें आर्चर, सैम कुक और जैमी ओवर्टन भी अतिरिक्त तेज गेंदबाज के रूप में हैं। एटकिंसन का लॉर्ड्स में शानदार रिकॉर्ड रहा है और उन्होंने यहां दो टेस्ट में एक शतक के साथ-साथ 19 विकेट भी लिए हैं। भारत के तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और आकाशदीप सिंह ने दूसरे टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करते हुए कुल 17 विकेट लिए थे। सिराज ने पहली पारी में छह विकेट और आकाशदीप ने दूसरी पारी में छह विकेट झटके थे। उनके प्रदर्शन ने भारत की जीत के लिए आधार तैयार किया था। तीसरे मुकाबले में भारत को अपने ट्रम्प कार्ड जसप्रीत बुमराह की वापसी से मजबूती मिलेगी। बुमराह ने पिछली बार 24 जून को हेडिंग्ले टेस्ट के दौरान गेंदबाजी की थी। उस टेस्ट में उन्होंने कुल 43.4 ओवर फेंके थे। उस दौरान उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट लिए और दूसरी पारी में विकेट रहित रहे। कमर की परेशानी को देखते हुए उन्हें एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में पांच में से तीन टेस्ट खेलने की सलाह दी गई थी। इसी वजह से उन्होंने बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट से बाहर रहने का फ़ैसला किया। इस फैसले की काफी आलोचना हुई, क्योंकि कई लोगों को डर था कि भारत 0-2 से पीछे हो सकता है। एक अनुभवहीन तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ इंग्लैंड को फायदा मिलने के काफी आसार थे। लेकिन वो आशंका ग़लत साबित हुई। भारत ने बर्मिंघम में दबदबे वाली जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। इसके बाद शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम मंगलवार को लॉर्ड्स में अपने पहले अभ्यास सत्र के लिए एक सहज और आत्मविश्वासी माहौल में पहुंची। सबसे ज्यादा सहज बुमराह दिखे, जो इंग्लैंड दौरे की शुरुआत से ही अभ्यास सत्रों में चुलबुले और मजाकिया मूड में रहे हैं। लेकिन गेंद हाथ में आते ही बुमराह की गंभीरता और तीव्रता में कोई कमी नहीं थी। उन्होंने बिना कोई ब्रेक लिए लगभग एक घंटे तक गेंदबाजी की। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि कई प्रमुख भारतीय बल्लेबाज वैकल्पिक अभ्यास सत्र से आराम पर थे।

इंडिया ए मेंस हॉकी टीम की यूरोप दौरे की विजयी शुरुआत, आयरलैंड को 6-1 से हराया

एजेंसी

आइंडहोवन (नीदरलैंड्स)। यूरोप दौरे की शुरुआत इंडिया ए मेंस हॉकी टीम ने धमाकेदार अंदाज में की। टीम ने हॉकी क्लब ओरांजे-रूड, आइंडहोवन में खेले गए अपने पहले मुकाबले में आयरलैंड को 6-1 से करारी शिकस्त दी। भारत ने मैच के चारों क्वार्टर में जबरदस्त प्रदर्शन किया और विपक्षी टीम को कोई खास मौका नहीं दिया। टीम के लिए उत्तम सिंह ने पहला गोल दागकर खाता खोला, जिसके बाद अमनदीप लकड़ा ने बढ़त को दोगुना किया। इसके बाद आदित्य लालगे ने लगातार दो गोल करके अपना शानदार ब्रेस पूरा किया। वहीं, फॉरवर्ड सेल्वम कार्ति और बॉबी सिंह धामी ने भी एक-एक गोल कर टीम की बढ़त को और मजबूत कर दिया। दूसरी ओर, आयरलैंड की टीम केवल एक सांत्वना गोल ही कर सकी क्योंकि भारतीय डिफेंडरों ने रक्षण में कोई ढील नहीं दी। भारत अब 9 जुलाई को ही रात 9:30 बजे (भारतीय समयानुसार) एक बार फिर आयरलैंड से भिड़ेगा। टीम इस मुकाबले में भी जीत दर्ज कर अपने इस यूरोपीय दौरे में लय बनाए रखने की कोशिश करेगी। भारत इसके बाद फ्रांस, इंग्लैंड, बेल्जियम और मेजबान नीदरलैंड्स के खिलाफ भी मुकाबले खेलेगा।

आईपीएल में इस्तेमाल किए गए साल्ट के बल्ले को मंजूरी मिली

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सहित पिछले दो वर्षों से जिस बल्ले का उपयोग कर रहे थे उसे शुरू में मैदान पर गेज परीक्षण में गलत पाया गया था, लेकिन बाद में आगे की जांच के बाद इसे मंजूरी दे दी गई। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में लंकाशर की तरफ से खेलने वाले 28 वर्षीय साल्ट ने इस साल की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु की पहली आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल 2025 में उन्होंने 13 मैचों में 403 रन बनाए थे, जो विराट कोहली (15 मैचों में 657) के बाद उनकी टीम के लिए दूसरे सबसे ज़्यादा रन थे। लंकाशर क्रिकेट ने एक बयान में कहा कि नॉर्थेंट्स स्टीलबैक्स के खिलाफ शुक्रवार को हुए विटैलिटी ब्लास्ट टी-20 मैच के दौरान साल्ट द्वारा इस्तेमाल किए गए बल्ले को क्रिकेट नियामक की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) ने मंजूरी दे दी है। क्लब ने बयान में कहा, ''साल्ट ने ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) के नियम 3.2 और 3.3 के उल्लंघन का आरोप है, क्योंकि विटैलिटी ब्लास्ट मैच के दौरान उनका बल्ला मैदान पर गेज परीक्षण में सही नहीं पाया गया था। यह वही बल्ला है जिसका इस्तेमाल उन्होंने पिछले दो साल से इंग्लैंड, लंकाशर और आईपीएल के लिए बिना किसी समस्या के किया। बयान के अनुसार, ''लेकिन क्रिकेट नियामक संस्था द्वारा बाद में किए गए परीक्षण में इसे सही पाया गया।

श्रीलंका ने बंगलादेश को 99 रनों से हराकर सीरीज जीती

एजेंसी

पल्लेकेले। कुसल मेंडिस (124), कप्तान चरित असालंका(58) की शानदार बल्लेबाजी के बाद असिता फर्नांडो और दुष्मंत चमीरा की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने बंगलादेश को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 99 रनों हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

श्रीलंका ने मंगलवार रात खेले गये मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने कुसल मेंडिस 114 गेंदों में (124), कप्तान चरित असालंका (58) रनों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 285 रनों का स्कोर खड़ा किया। पथुम निसंका (35) और जनित लियानगे ने 12 रनों का योगदान दिया। वानिंदु हसरंगा (18) और दुष्मंत चमीरा (10) रन बनाकर नाबाद रहे। बंगलादेश की ओर से तसकीन अहमद और मेहदी हसन मिराज ने दो-दो विकेट लिये। तंजिद हसन साकिब, शमीम हुसैन और तनवीर इस्लाम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। 286 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत खराब रही और उसने 20 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। तंजिद हसन (17) को ए फर्नांडो ने बोल्ड आउट किया। अगले ही ओवर में नजमुल शान्तो (शून्य) को चमीरा ने बोल्ड आउट कर श्रीलंका को दूसरी सफलता दिलाई। बंगलादेश का तीसरा विकेट परवेज हुसैन इमॉन (28) के रूप में गिरा। इसके बाद मो. तौहीद हृदोय और मेहदी हसन मिराज ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 43 रन जोड़े। 21वें ओवर में दुनित वेल्लालगे ने मेहदी हसन मिराज (28) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे बंगलादेश का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। शमीम हुसैन (12) और उसके बाद मो. तौहीद हृदोय (51) रन बनाकर आउट हुये। तनजीम हसन साकिब (पांच), तस्कीन अहमद (एक), तनवीर इस्लाम (आठ) रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश की पूरी टीम 39.4 ओवर में 186 रन पर सिमट गई। 124 रनों की शतकीय पारी खेलने तथा सीरीज में सबसे अधिक 225 रन वाले कुसल मेंडिस को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा 'प्लेयर ऑफ सीरीज' के पुरस्कार से नवाजा गया। श्रीलंका की ओर से असिता फर्नांडो ने सात ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट लिये। दुष्मंत चमीरा ने आठ ओवर में 51 रन देकर तीन विकेट झटके। दुनित वेल्लालगे और वानिंदु हसरंगा ने दो-दो विकेट लिये। महीश तीक्षणा और कामिंडु मेंडिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

संक्षिप्त समाचार

महिला हॉकी टीम के कोच हरेंद्र ने कहा, समय और खेल प्रबंधन पर काम करने की जरूरत

नयी दिल्ली। एफआईएच प्रो लीग में खराब प्रदर्शन के कारण आलोचनाओं से घिरी भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि उनकी टीम को समय और खेल प्रबंधन पर काम करने की जरूरत है ताकि वह मजबूत टीम बन सके। प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारत आठ में से सात मैच हारकर सबसे निचले स्थान पर रहा और एफआईएच नेशंस कप में खिसक गया। एक अन्य मैच में भारत ने अर्जेंटीना के साथ निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ खेला, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में हार गया। हरेंद्र ने वर्चुअल बातचीत में कहा, ''यह एक नई टीम है जिसमें कई अनुभवी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण नहीं खेल पा रही हैं। इससे विशेष कर हमारी रक्षा पंक्ति पर प्रभाव पड़ा। हमें समय और खेल प्रबंधन पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''उस क्षेत्र पर काम करने के लिए हमें अनुकूल परिस्थितियां तैयार करनी होगी और खेल को समझना होगा। जैसे, डिफेंस में अनुभवहीन खिलाड़ियों को उतारना और फिर यह देखना कि वे किस स्थिति में हैं। अगर वे असफल होते हैं तो हमें सीनियर खिलाड़ियों पर निर्भर रहना होगा। इस मामले में कोई बहाना नहीं चलेगा।'' हरेन्द्र ने कहा कि भारतीय टीम को पेनल्टी कॉर्नर के बचाव पर भी काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''पीसी (पेनल्टी कॉर्नर) का बचाव करना एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर हमें और काम करने की ज़रूरत है। यूरोपीय चरण में हमारे पास डिफेंस में उदिता और निक्की प्रधान जैसी अनुभवी खिलाड़ी नहीं थीं। हमें अपने डिफेंस पर काम करने की ज़रूरत है।

गिल ने दिखा दिया कि वह ‘फैब फोर’ की जगह लेने में सक्षम हैं: रामप्रकाश

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्क रामप्रकाश ने भारत के नये कप्तान शुभमन गिल की उनके दमखम, कौशल और जज्बे के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि इस युवा बल्लेबाज ने दिखा दिया है कि वह अवसान पर चल रहे ‘फैब फोर’ (पिछले एक दशक में दुनिया के चार सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज) से जिम्मेदारी संभालने में सक्षम है। गिल ने बर्मिंघम टेस्ट की दोनों पारियों में 269 और 161 रन बनाए। इससे पहले उन्होंने लीड्स में श्रृंखला के पहले मैच की पहली पारी में 147 रन भी बनाए थे। रामप्रकाश ने ‘द गार्डियन’ में लिखा, ''हमें न केवल एक बल्लेबाज के रूप में बल्कि एक युवा टीम के नए कप्तान के रूप में उदाहरण स्थापित करने के लिए उनकी सहनशक्ति, उनके कौशल और उनके जज्बे की दाद देनी होगी। उन्होंने कहा, ''कप्तानी किसी खिलाड़ी की फॉर्म पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है, लेकिन ऐसा लगता है कि इसने उन्हें एकाग्र किया है और पिछले तीन सप्ताह में उन्होंने अपनी तीन सर्वश्रेष्ठ पारियां खेली। रामप्रकाश ने कहा, ''हम उस दौर के अंतिम पड़ाव पर हैं, जिसमें तथाकथित फैब फोर-विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन- का दबदबा रहा है और ऐसे खिलाड़ियों की तलाश जारी है, जो उनकी जगह ले सकें। उन्होंने कहा, ''गिल ने दिखा दिया कि वह उनकी जगह लेने में सक्षम हैं। वह खेल के तीनों प्रारूप में खेलते हैं और बड़ी अच्छी तरह से सामंजस्य बिठाते हैं। उनकी तकनीक शानदार है। यह 25 वर्षीय खिलाड़ी सुनील गावस्कर के बाद एक ही टेस्ट में दोहरा शतक और शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए। गिल इंग्लैंड में टेस्ट मैच में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय और एशियाई कप्तान भी बने। भारत ने उनके शानदार प्रदर्शन से दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से जीत दर्ज कर पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। भारत लीड्स में पहला टेस्ट मैच पांच विकेट से हार गया था। तीसरा टेस्ट गुरुवार से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

एप्पल ने भारतीय मूल के सबीह खान को मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल इंक. ने भारतीय-अमेरिकी तकनीकी विशेषज्ञ सबीह खान को नया मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है। खान इस महीने के अंत में जेफ विलियम्स की जगह सीओओ का पद संभालेंगे। वह वर्तमान में कंपनी के उपाध्यक्ष हैं। सबीह खान पिछले तीन दशकों से इस अमेरिकी तकनीकी दिग्गज कंपनी से जुड़े हुए हैं। वे इस माह के अंत में जेफ विलियम्स की जगह सीओओ का पद संभालेंगे। कंपनी ने कहा कि खान 30 वर्षों से एप्पल में हैं, वे 2019 में परिचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यकारी टीम में शामिल हुए थे।खान वर्तमान में कंपनी के उपाध्यक्ष हैं। एप्पल के मुख?य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने सबीह खान को शानदार रणनीतिकार और एप्पल की आपूर्ति श्रृंखला के प्रमुख वास्तुकारों में से एक बताया। कुक ने कहा कि? उन्होंने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि एप्पल वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सके। सबीह खान का जन्म 1966 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में हुआ था, जहां उन्होंने पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई। उसके बाद उनका परिवार सिंगापुर चला गया। 1995 में एपल के खरीद समूह में शामिल होने से पहले खान ने जीई प्लास्टिक्स में एप्लीकेशन डेवलपमेंट इंजीनियर और प्रमुख खाता तकनीकी नेता के रूप में काम किया था।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में जून में निवेश 24 प्रतिशत बढ़कर 23,587 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड (एमएफ) में शुद्ध निवेश जून में 24 प्रतिशत बढ़कर 23,587 करोड़ रुपये हो गया। इससे लगातार पांच महीने से जारी निकासी का सिलसिला टूटा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने बुधवार को कहा कि लगातार 52वें महीने म्यूचुअल फंड योजनाओं में शुद्ध प्रवाह सकारात्मक बना रहा है जो निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाता है। एम्फी की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी म्यूचुअल फंड में जून में 23,587 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो मई में हुए 19,013 करोड़ रुपये के निवेश से अधिक है। पांच महीनों की गिरावट के बाद शुद्ध इक्विटी फंड प्रवाह में यह पहली वृद्धि दर्ज की गई।

सरसों का उत्पादन बढ़ाने के लिए रकबा बढ़ाने, उच्च उपज वाले बीजों के उपयोग की जरूरत: विशेषज्ञ

एजेंसी

नयी दिल्ली। रबी मौसम में उगाई जाने वाली देशी तिलहन सरसों की फसल खाद्य तेलों के घरेलू उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके लिए रकबा बढ़ाने, उच्च उपज देने वाली बीज किस्मों के उपयोग और उपज एवं उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को सुनिश्चित मूल्य प्रदान करने की आवश्यकता है। उद्योग विशेषज्ञों ने यह बात कही। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत का ‘रेपसीड’ एवं सरसों का उत्पादन 2024-25 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में 86.29 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल और 1,461 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर औसत उपज के साथ 126.06 लाख टन रहा। वित्त वर्ष 2023-24 से क्षेत्रफल एवं उत्पादन में गिरावट आई है। 2023-24 में रकबा 91.83 लाख हेक्टेयर था जबकि उत्पादन 132.59 लाख टन था। पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विवेक पुरी ने कहा, '' सरसों तेल खाद्य तेल की मांग-आपूर्ति के अंतर को पाटने और आयात निर्भरता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हमारी कंपनी के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि सरसों की खेती के विस्तार के साथ-साथ प्रति हेक्टेयर उपज में वृद्धि करके सरसों तेल का उत्पादन बढ़ाने की बहुत गुंजाइश है। धारा ब्रांड के तहत खाद्य तेल बेचने वाली मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने कहा, '' गैर-परिष्कृत खाद्य तेल खंड में सरसों का तेल एक महत्वपूर्ण श्रेणी बना हुआ है। इस खंड में इसकी करीब 30 प्रतिशत हिस्सेदारी है। चूंकि उपभोक्ता अपने विविध लाभों और अधिक जागरूकता के लिए तेजी से स्वदेशी तेलों की ओर रुख कर रहे हैं, इसलिए सरसों के तेल की खपत में लगातार वृद्धि होने की संभावना है जिसकी अनुमानित वार्षिक वृद्धि दर चार प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा, '' इन प्रयासों से न केवल घरेलू उत्पादन मजबूत होगा, बल्कि खाद्य सुरक्षा भी बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता कम होगी जिससे समग्र आर्थिक लचीलेपन को बल मिलेगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के अनुसार, भारत ने 2023-24 विपणन वर्ष (नवंबर-अक्टूबर) में 1.6 करोड़ टन वनस्पति तेलों का आयात किया, जबकि घरेलू उत्पादन 1.162 करोड़ टन रहा। एसईए के आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 में सरसों तेल/रेपसीड तेल की खपत करीब 38 लाख टन रही, जो भारत की कुल मांग का लगभग 15 प्रतिशत है।

टाटा ऑटोकॉम्प, स्कोडा ग्रुप ने भारत में रेलवे कलपुर्जे बनाने के लिए स्थापित किया संयुक्त उद्यम

नयी दिल्ली। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी टाटा ऑटोकॉम्प और स्कोडा समूह ने भारत में रेलवे प्रणोदन प्रणाली और कलपुर्जे बनाने के लिए एक संयुक्त उद्यम के गठन की बुधवार को घोषणा की। इस उद्यम के तहत देश में करोड़ों यूरो का निवेश किया जाएगा। टाटा ऑटोकॉम्प ने बयान में कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य बढ़ते भारतीय रेलवे और परिवहन बाजारों को समर्थन देना है। बयान में कहा गया कि दोनों साझेदारों के संयुक्त स्वामित्व वाली नई कंपनी मध्यम उच्च गति एवं क्षेत्रीय ट्रेन, मेट्रो तथा हल्के रेल वाहनों के लिए कन्वर्टर्स, ड्राइव और सहायक कन्वर्टर्स के विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी। टाटा ऑटोकॉम्प के वाइस चेयरमैन अरविंद गोयल ने कहा, '' स्कोडा समूह के साथ हमारा सहयोग अत्याधुनिक विद्युत प्रणोदन प्रणालियों एवं घटकों की शुरूआत को सक्षम करके भारतीय रेलवे व मेट्रो क्षेत्र में हमारी उपस्थिति को बढ़ाएगा।

श्रम संगठनों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल आवश्यक सेवाओं पर अधिक असर नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में 10 केंद्रीय श्रम संगठनों की ओर से बुधवार को देशभर में आहूत एक दिन की हड़ताल से आवश्यक सेवाएं अधिकतर अप्रभावित रहीं। ऐसी खबरें हैं कि हड़ताल से केरल, झारखंड और पुडुचेरी में कुछ चुनिंदा सेवाएं प्रभावित होंगी। श्रम संगठनों ने दावा किया है कि अन्य मुद्दों के साथ-साथ नयी श्रम संहिताओं के विरोध में 25 करोड़ श्रमिकों को ''आम हड़ताल'' के लिए लामबंद किया जा रहा है। अखिल भारतीय मजदूर संघ कांग्रेस की महासचिव अमरजीत कौर ने बुधवार सुबह बताया था कि बुधवार सुबह देशभर में आम हड़ताल शुरू हो गई। उन्हें पश्चिम बंगाल, केरल, झारखंड, कर्नाटक सहित अन्य राज्यों से हड़ताल की खबर और तस्वीरें मिली हैं। उन्होंने कहा कि हड़ताल से बैंकिंग, डाक और बिजली सेवाएं प्रभावित होंगी। इससे तांबा और कोयला खनन प्रभावित होगा, जबकि कई राज्यों में सार्वजनिक परिवहन पर भी इसका असर पड़ेगा। कौर ने कहा कि पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसान संगठन भी अपने क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन करेंगे। श्रम संगठनों की मांगों में चार श्रम संहिताओं को खत्म करना, ठेका प्रणाली समाप्त करना, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण बंद करना तथा न्यूनतम मजदूरी को बढ़ाकर 26,000 रुपये प्रति माह करना शामिल है। इसके अलावा किसान संगठन स्वामीनाथन आयोग के सी2 प्लस 50 प्रतिशत के सूत्र के आधार पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और किसानों के लिए ऋण माफी की मांग भी कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की है कि हड़ताल के दौरान सामान्य जनजीवन प्रभावित न हो।

एंथम बायोसाइंसेज के 3,395 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 540-570 रुपये प्रति शेयर

नयी दिल्ली। एंथम बायोसाइंसेज ने अपने 3,395 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 540-570 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी का आईपीओ 14 जुलाई को खुलेगा और 16 जुलाई को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 11 जुलाई को बोली लगा सकेंगे। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित निर्गम पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक, निवेशक और अन्य शेयरधारक 3,395 करोड़ रुपये तक को शेयर बेचेंगे। कंपनी को इस निर्गम से कोई राशि नहीं मिलेगी और पूरी आय बिक्री करने वाले शेयरधारकों के पास जाएगी।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 600 रुपये से लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में गिरावट आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,180 रुपये से लेकर 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,000 रुपये से लेकर 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

प्रदेशव्यापी पौधारोपण अभियानः काशी में मां के नाम रोपे पौधे, देखभाल का लिया संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। 'हम एक पौधे को जीवन देंगे, तो वह भविष्य में वृक्ष बनकर हमें भी जीवन देगा' इस संदेश के साथ नमामि गंगे के सदस्यों ने बुधवार को प्रदेशव्यापी पौधारोपण अभियान के तहत कबीर चौरा स्थित कंपोजिट विद्यालय में मां के नाम छात्र-छात्राओं के साथ पौधों को रोपा। धरती की हरीतिमा व नदी पुनरोद्धार की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए संकल्प के अनुरूप विद्यालय परिसर में नीम, आम, पीपल, तुलसी, एलोवेरा, अमरूद, शरीफा जैसे पौधे रोपित किए।

हरित धरा की चिंता में छात्र-छात्राओं की सहभागिता के दौरान नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने आवाह्न किया कि जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक परिणाम आज सबके सामने आ रहे हैं, जिसे लेकर दुनिया चिंतित हैं। अगर इसे संतुलित नहीं किया गया, तो भूस्खलन, अतिवृष्टि एवं बाढ़ जैसी अन्य समस्याएं हमारे सामने होंगी। धरती माता को पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से ही बचाया जा सकता है,इसके लिए वन आच्छादन को बढ़ाना आवश्यक है। इस अभियान में प्रधानाचार्या मधु सिंह ने भी भागीदारी की। बुधवार को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत दशाश्वमेध स्थित शास्त्रार्थ महाविद्यालय में बटुकों व शिक्षकों ने वेद मंत्र के पाठ के साथ परिसर में पौधा लागाया। जिसमें एक प्रमुख मंत्र हैः ''अग्रतः शिवरूपाय

वृक्षराजाय ते नमः। आयुः प्रजां धनं धान्यं सौभाग्यं सर्वसम्पदम्। देहि देव महावृक्ष त्वामहं शरणं गतः।।'' इसका अर्थ है, ''हे वृक्षराज, जो शिव के समान हैं, मैं आपको नमस्कार करता हूं। हे देव, मुझे आयु, संतान, धन, धान्य, सौभाग्य और सभी प्रकार की संपत्ति प्रदान करें। मैं आपकी शरण में आया हूं।'' इसके अतिरिक्त, यजुर्वेद की ऋचाओं का भी मूल पाठ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कृत पूर्व प्राचार्य डा. गणेश दत्त शास्त्री उपस्थित थे। इसलिए अवसर पर उन्होंनें कहा कि वेदों में वृक्षों का बहुत महत्व बताया गया है। उन्हें न केवल जीवन के स्रोत के रूप में बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व का भी स्वरूप माना जाता है। वेदों में कुछ वृक्षों को देवताओं के रूप में भी पूजा जाता है। संस्था के प्राचार्य डा.पवन कुमार शुक्ला ने बतलाया कि कुल 28 पौधे लगाए गए,जिनमें तुलसी, पारिजात,बेला, रातरानी, शमी आदि के पौधे शामिल थे। वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को पुलिस लाइन में पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने पौधा रोप कर अभियान की शुरूआत की। कमिश्नरेट वाराणसी पुलिस में 5600 पौधे लगाए जाएंगे । जिसकी शुरुआत की गई।

गुरुपूर्णिमा विशेष

'सद्गुरु' के बिना आत्मिक यात्रा अधूरी

सदगुरु रितेश्वर जी महाराज, श्री लाडली निकुंज वन, आनंदम धाम, वृंदावन

भारत की परंपरा में माना गया है कि बिना सद्गुरु के जीवन में वास्तविक ज्ञान संभव नहीं। जैसा व्यक्ति का चिंतन होता है, वैसा ही उसका व्यक्तित्व बनता है। धर्म और अध्याय के क्षेत्र में गुरु पूर्णिमा अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन केवल श्रद्धा या पूजन का नहीं बल्कि आत्मसमर्पण और कृतज्ञता से ओतप्रोत भावों का उत्सव है। यह अग्रसर है, सद्गुरु के चरणों में अपने प्रेम, श्रद्धा और विश्वास से दो बुद आंसू समर्पित कर जीवन में प्रकाशित मार्ग के लिए आभार प्रकट करने का। गुरुपूर्णिमा वह दिन है, जब हम अपने जीवन के उस प्रकाश-स्तंभ को नमन करते हैं। जैसे शिल्पकार मूर्ति बनाने से पूर्व पत्थर की परख करता है और उससे सुंदर मूर्ति बनाता है, जैसे कुम्हार मिट्टी को आकार देता है, चित्रकार कैनवस पर चित्र उकेरता है, सद्गुरु ठीक उसी प्रकार शिष्य को गढ़ते हैं। शिष्य के मन-मस्तिष्क की धूल झाड़ कर उसमें छिपे दिव्य तत्व को जागृत करते हैं। वे शिष्यों में संवेदना भरकर उसे सच्चा मनुष्य बनाते हैं। सद्गुरु की उपस्थिति का सबसे बड़ा संकेत तब मिलता है, जब कारण विहीन आनंद का अनुभव होने लगे। वह अपने ज्ञान के माध्यम से ऐसा शिष्य गढ़ते हैं, जिसे देखकर जगत दंग रह जाए। जैसे रामकृष्ण परमहंस ने स्पर्श मात्र से विवेकानंद को ईश्वर का साक्षात्कार करा दिया। और उसी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की गूंज विश्व में पहुंचाई। उन्होंने जीवन का संदेश दिया- आनंद बाहर नहीं, भीतर है, संग्रह में नहीं, त्याग में है। श्रीमद्भागवत में कहा गया है कि सामान्य आसक्ति पतन का कारण बनती है, लेकिन यदि वह आसक्ति किसी समर्थ गुरु के प्रति हो, तो जीवन को नई दिशा देती है। माता-पिता, मित्र और मार्गदर्शक की भूमिका सद्गुरु निभाते हैं। यह नीति, निष्ठा और सद्गुणों की सिंचाई करते हैं, दुर्गुणों का संहार कर आत्मा को शुद्ध बनाते हैं। इसीलिए संत कबीर ने कहा है कि गुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागू पाय।

बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताए।'

इसी प्रकार सद्गुरु के प्रति सूरदासजी का भाव देखिए। वे कहते हैं, 'गुरु और गोविंद में भेद कौन देखता है, ये एक ही हैं। गुरु साक्षात परब्रह्म हैं। मैंने जो कुछ गाया, वह गुरु के रूप में श्रीनाथजी को गाया है। पुराणों में यदु राजा की कथा आती है, जो भौतिक समृद्धि के बाद भी मानसिक शांति से वंचित थे। जब वह दत्तात्रेय अवधूत से मिले, तो उनकी आनंदमयी स्थिति देखकर चकित रह गए। उन्होंने प्रकृति और जीवन से 24 गुरु बनाए और उनसे सीखा। यही तो गुरु की महिमा है, यही तो सनातन परंपरा की अद्भुत देन है।

'गुरुबिनु भव निधि तरइ न कोई,
जो बिरंचि संकर सम होई।'

मोदीनगर में कांवड़ खंडित होने से गुस्साए कावड़ियों ने किया बवाल, कार तोड़ी, चालक को पीटा, लगाया जाम

गाजियाबाद। मोदीनगर में मंगलवार की रात में दिल्ली-मेरठ हाईवे पर एक कार की टक्कर से कांवड़ खंडित होने से गुस्साए कांवड़ियों ने जमकर बवाल किया। कांवड़ियों ने कार चालक के साथ जमकर मारपीट की और गाड़ी तोड़ दी और जाम लगा दिया। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुँचकर गुस्साए कावड़ियों को शांत किया। मंगलवार रात में मोदीनगर के राज चौपला क्षेत्र में हरिद्वार से गंगाजल लेकर अनुज, ओम और हरकेश व अन्य कावड़िया मेवात व राजस्थान जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी जिससे उनकी कांवड़ खंडित हो गई। जिससे नाराज कांवड़ियों ने कार को रोककर उसमें तोड़फोड़ शुरू कर दी और चालक के साथ मारपीट की।

काशी के मठ मंदिरों में गुरू पूर्णिमा की तैयारी, आश्रमों में पहुंचने लगे श्रद्धालु

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी में गुरू पूर्णिमा पर्व की धूम है। मठ-मंदिरों, आश्रमों और गुरु परंपरा से जुड़े घरानों में उल्लासपूर्वक पर्व मनाने की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। गुरुवार 10 जुलाई को पड़ने वाले इस पावन पर्व के लिए शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों को सजाया गया है। साफ-सफाई, रंग-रोगन और सजावट के साथ गुरुपीठ श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गुरु आराधना के महापर्व के एक दिन पहले बुधवार से ही दूर दराज के श्रद्धालु अपने गुरूपीठों, गुरू आश्रमों में पहुंचने लगे है। शिष्यों के आने से गुरूपीठ भी गुलजार है। सर्वेश्वरी समूह आश्रम पड़ाव, संत मत अनुयायी आश्रम मठ गड़वाघाट, बाबा कीनाराम स्थली क्रीं कुंड में मेला लगता है। पर्व पर पूर्व पीठाधीश्वरों की

पूजा आरती के बाद ही दर्शन पूजन शुरू होता है। मणिकर्णिकाघाट स्थित सतुआ बाबा आश्रम में प्रथम सतुआबाबा रणछोड़ दास एवं षष्ठपीठाधीश्वर यमुनाचार्य महाराज की चरण पादुका पूजन से उत्सव प्रारम्भ होता है। इसी तरह बाबा कीनाराम स्थली क्रींकुंड शिवाला में सुबह आरती, श्रमदान के बाद अघोरेश्वर की समाधियों का पूजन का विधान है। पड़ाव स्थित अवधूत भगवान राम आश्रम में पीठाधीश्वर गुरु पद संभव राम के पूजन के लिए लाखों श्रद्धालु जुटते हैं।

सामनेघाट स्थित ओशो आश्रम, परमहंस आश्रम, कश्मीरीगंज स्थित श्रीराम जानकी मंदिर, तुलसीघाट, नगवां स्थित गायत्री मंदिर सहित विभिन्न आश्रम के पीठाधीश्वरों का आर्शीवाद पाने के लिए श्रद्धालु लालायित है। अस्सी डुमराव बाग स्थित काशी सुमेरू पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती ने बताया कि आश्रम में गुरू पूर्णिमा पर्व पर विविध धार्मिक अनुष्ठान होंगे। गौरतलब हो कि इस बार गुरूपूर्णिमा का पर्व गुरूवार (10 जुलाई) को मनाया जाएगा। आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व गुरु के प्रति सम्मान और कृतज्ञता जताने के लिए है। सनातन संस्था के गुरूराज प्रभू ने बताया कि इस दिन गुरूतत्व अन्य दिनों की तुलना में 100 गुना अधिक कार्यरत रहता है। ऐसे में सभी साधकों और आम लोगों को भी आध्यात्मिक उन्नति के लिए अपने गुरू का आर्शिवाद लेना चाहिए। सनातन धर्म में गुरु और ईश्वर दोनों को एक समान माना गया है। सभी को भक्तिभाव से गुरूपूजन करना चाहिए।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com

प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

गुरु पूर्णिमा पर सारनाथ में भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश की स्मृति में विशेष पूजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। आषाढ़ पूर्णिमा, जिसे गुरु पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है, के पावन अवसर पर गुरुवार को ऐतिहासिक सारनाथ में बौद्ध धर्मावलंबी धम्मचक्कप्पवत्तन दिवस मनाएंगे। यही वह पावन दिवस है जब भगवान बुद्ध ने ऋषिपटन मृगदाय (वर्तमान सारनाथ) के मृग उद्यान में अपने पंचवर्गीय साथियों (पांच तपस्वी साथियों)को प्रथम बार धर्मचक्र प्रवर्तन करते हुए उपदेश दिया था। इस ऐतिहासिक प्रसंग की स्मृति में संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) तथा महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में मूलगंध कुटी विहार में भव्य आध्यात्मिक आयोजन की तैयारी है। कार्यक्रम की शुरुआत संध्या समय ऐतिहासिक धमेख स्तूप की पवित्र परिक्रमा एवं मंत्रोच्चारण से होगी। संघ समुदाय के मार्गदर्शन में पारंपरिक विधियों के अनुसार होने वाले इस अनुष्ठान से समारोह स्थल पर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा। इसके उपरांत प्रख्यात भिक्षुओं, बौद्ध

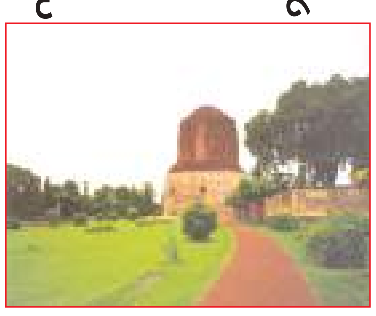

विद्वानों एवं गणमान्य अतिथियों द्वारा मंगलाचरण पाठ तथा धर्मचिंतन प्रस्तुत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सारनाथ में ही भगवान बुद्ध ने बुद्ध धम्म की नींव रखते हुए चार आर्य सत्य और आर्य अष्टांगिक मार्ग का ज्ञान साझा किया था, जो बौद्ध दर्शन का मूल आधार है। यह दिन बौद्ध परंपरा में अत्यंत पावन माना जाता है। श्रीलंका में इसे एसाला पोया, जबकि थाईलैंड में असन्हा बुचा के रूप में मनाया जाता है। बौद्ध बहुल देशों में यह तिथि विशेष श्रद्धा और आस्था के साथ आध्यात्मिक अनुष्ठानों द्वारा मनाई जाती है।

खुद की हत्या की अफवाह फैलाकर बेकसूर को मारने वाला गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

चित्रकूट। कहते हैं अपराध करने वाला कितना भी बड़ा शातिर हो, लेकिन पुलिस की पकड़ से वह बच नहीं सकता। कुछ न कुछ सबूत जरूर छोड़ जाता है।घटनाओं का खुलासा करने में माहिर एसपी अरुण कुमार सिंह ने आज एक सनसनीखेज मामले का एक हफ्ते में खुलासा किया है। एसपी ने बताया कि करोड़ों रुपए का बीमा क्लेम लेने के लिए पति पत्नी ने मिलकर फिल्मी स्टाइल में प्रिप्लानिंग कर एक दर्दनाक घटना को अंजाम दिया है। दोनों ने क्राइम पेट्रोल,सावधान इंडिया और यूट्यूब में कुरूप नाम की फिल्म देखकर घटना को अंजाम दिया है। महंगे शौक रखने वाले आरोपी सुनील और उसकी पत्नी हेमा ने मिलकर बीमा क्लेम के लिए एक निर्दोष व्यक्ति को कार में जलाकर मार डाला और इसके बाद पत्नी हेमा ने कार में जली लाश को अपने पति सुनील का बता कर उसके बचे हुए अवशेष का अंतिम संस्कार कर झूठी

कहानी रची। इसके बाद मामले में पत्नी पर शक होने के बाद पुलिस ने असली आरोपी तक पहुंचने के लिए जाल बिछाया। एसपी ने बताया कि चित्रकूट जनपद में बीते 30 जून को सड़क किनारे खड़ी जली ऑल्टो कार में लाश मिलने के मामले में अब एक और नया मोड़ आ गया है । जिसपर कार में मिली जली हुई लाश को एमपी के रीवा की रहने वाली महिला ने कार चालक के रूप में अपने पति सुनील सिंह के रूप में शव की शिनाख्त कर उसका अंतिम संस्कार कर दिया था, लेकिन वहीं मृतक कुछ दिनों बाद अपने रिश्तेदारों के यहां जिंदा दिखाई देने पर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मृत हो चुके सुनील और उसकी पत्नी हेमा को गिरफ्तार कर पूरी घटना का सनसनी खेज खुलासा कर दिया है। मामला राजापुर थाना क्षेत्र के सिकरी अमान गांव का है, जहां बीते 30 जून को सड़क किनारे एक जली हुई कार मिली थी जिसमें कार के अंदर ड्राइवर की बगल वाली सीट में एक शव के कुछ अवशेष और कुछ टूटी हुई चूड़ियां मिली थी जो कार की हालत को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे कार के अंदर विस्फोट भी हुआ था जिसपर पुलिस ने हादसा या हत्या की गुत्थी सुलझाने में पुलिस जुट गई थी। पुलिस भी अब यह एक महज हादसा मान रही थी, लेकिन पुलिस ने मृतक सुनील और उसके परिजनों का डीएनए टेस्ट कराने की बात कही थी। जिससे शव की पुष्टि हो सके कि यह शव सुनील का है या किसी और का। जिसके बाद महिला हेमा सिंह उस शव का अंतिम संस्कार कर आराम से अपने घर पर रह रही थी। तभी पुलिस के जांच के दौरान महिला के हाव भाव कुछ अजीब लग रहे थे और डीएनए टेस्ट कराने में आनाकानी कर रहे थे। जिसपर पुलिस को शक और बढ़ गया था। लेकिन इसी बीच पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि जिस व्यक्ति का जला हुआ शव कार में मिला था वह व्यक्ति अपने रिश्तेदार के यहां जिंदा घूम रहा है। जिसपर पुलिस ने तुरंत सुनील को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू किया तो पति पत्नी द्वारा मिलकर एक निर्दोष व्यक्ति की जिंदा फूंक देने की सनसनी खेज वारदात का खुलासा हो गया है।

खेतों में खरपतवार नियंत्रण की दिशा में इरी वैज्ञानिकों की पहल

- ट्रैक्टर-चलित ड्राई व वेट लैंड वीडर का किया गया सफल निर्माण और प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। जलवायु परिवर्तन और अनियमित वर्षा के कारण किसानों को धान की खेती में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पारंपरिक रोपाई पद्धति न केवल मानसून पर अत्यधिक निर्भर है, बल्कि अधिक पानी, श्रम और समय की मांग के चलते किसानों की लागत भी काफी बढ़ा देती है। ऐसे में धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) तकनीक किसानों के लिए एक कारगर विकल्प बनकर उभरी है, जिससे न सिर्फ लागत में कमी आई है, बल्कि मुनाफा भी बढ़ा है। उत्तर प्रदेश के किसानों के बीच इस तकनीक को लोकप्रिय बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान ऽ दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र निरंतर प्रयासरत है। खरीफ 2025 सीजन के तहत आइसार्क ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के आठ जिलों में 500 एकड़ से अधिक क्षेत्र में डीएसआर का समूह-प्रदर्शन आयोजित किया है। धान की सीधी बुवाई में सबसे बड़ी चुनौती है ऽ खरपतवार नियंत्रण। यदि समय रहते खरपतवारों पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो वे फसल की वृद्धि को प्रभावित करते हैं और उपज में भारी गिरावट ला सकते हैं। इसी समस्या के समाधान हेतु इरी के वैज्ञानिकों ने ट्रैक्टर-चलित ड्राई व वेट लैंड वीडर का सफलतापूर्वक निर्माण किया है। इरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आर.के. मलिक ने बताया कि यह मशीन ट्रैक्टर के साथ नैरो व्हील्स (पतले टायर) लगाकर चलाई जाती है, जिससे खेतों में लगे धान के पौधों को कोई नुकसान नहीं होता और खरपतवार की सटीक निराई संभव हो पाती है। मशीन का वजन हल्का होने के कारण यह कम नमी वाली भूमि में भी प्रभावशाली ढंग से काम करती है। बुवाई के 25ऽ30 दिन बाद इस वीडर से की गई निराई बेहद कारगर होती है। एक ट्रैक्टर एक घंटे में लगभग एक एकड़ क्षेत्र की निराई कर सकता है। यह तकनीक न सिर्फ श्रम की बचत करती है, बल्कि मिट्टी की भौतिक गुणवत्ता में भी सुधार लाती है। इस वीडर का प्रथम सफल प्रदर्शन मिर्ज़ापुर जनपद के पनियारा गाँव में किसानों के डीएसआर खेतों में किया गया, जहां किसानों ने इस मशीन की कार्यक्षमता को सराहा। इरी के वैज्ञानिक डॉ. राबे यहाया ने बताया कि यांत्रिक निराई सही समय पर की जाए तो यह रासायनिक खरपतवारनाशकों की आवश्यकता को भी कम कर सकती है, जिससे खेती की लागत घटेगी और पर्यावरणीय प्रभाव भी कम होगा। साथ ही, यह तकनीक उन किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है जो मजदूरों की कमी से जूझ रहे हैं।

संगठन विस्तार और स्थापना दिवस कार्यक्रमों पर हुआ मंथन

मीरजापुर। विश्व हिंदू परिषद की जिला योजना बैठक बुधवार को इम्लहा नाथ मंदिर, दक्षिण फाटक स्थित जिला कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष माता सहाय ने की, जबकि संचालन जिला मंत्री श्रीकृष्ण द्वारा किया गया। बैठक में प्रांत उपाध्यक्ष सुरेश, विंध्याचल विभाग के पालक एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के सत्संग प्रमुख दिवाकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए संगठन को गति देने पर बल दिया। बैठक में संगठन विस्तार, रात्रि प्रवास, सत्संग योजना और विचार-प्रसार पर भी चर्चा हुई। इस दौरान बजरंग दल के जिला संयोजक अशोक सिंह सहित सभी खंड, उपखंड और प्रखंड स्तर के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विभाग संगठन मंत्री अमित ने आगामी कार्यक्रमों जैसे अखंड भारत दिवस और स्थापना दिवस पर चर्चा की। उन्होंने प्रखंड समितियों के गठन, सत्संग कार्यक्रमों और प्रखंड स्तरीय बैठकों की तिथि सुनिश्चित की। प्रांत सत्संग प्रमुख महेश ने पंच परिवर्तन विषय पर विस्तार से विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठनात्मक बदलाव के लिए पंच परिवर्तन का सिद्धांत व्यवहार में लाना होगा। प्रांत उपाध्यक्ष सुरेश ने संगठन के विस्तार के लिए गांव, बस्ती और खंड स्तर पर समितियों के गठन और सूची तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर पदाधिकारी को स्थापना दिवस के अवसर पर कहीं न कहीं संगठनात्मक उद्बोधन देना चाहिए।

गुरु पूर्णिमा पर विशेष

अवधूत भगवान राम

अभयानंद शुक्ल
समन्वय सम्पादक

रायबरेली जिले में सई नदी के तट पर स्थित अवधूत भगवान राम के आश्रम की बहुत मान्यता है। गुरु पूर्णिमा के दिन यहां पर शिष्यों की भारी भीड़ लगती है। इस स्थान के बारे में मान्यता है कि दशरथ नंदन प्रभु श्रीराम वन के लिए जाते समय इसी रास्ते से होकर गए थे। उल्लेख यह भी मिलता है कि श्रीराम से मिलने के बाद उनके अनुज भरत जी भी इसी रास्ते होकर वापस आए थे। गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीराम से मिल कर भरत जी के वापस आते समय का उल्लेख करते हुए लिखा है कि, सई उतरि गोमती नहाये। चौथे दिवस अवधपुर आये।

भारत के दिवंगत प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर की भी इस स्थान में बड़ी श्रद्धा थी। वे अवधूत भगवान राम के भक्त थे। इस समय गुरु-शिष्य परंपरा में अवधूत भगवान राम की भीड़ बड़ी मान्यता है। गुरु पूर्णिमा के दिन यहां शिष्यों की भारी भीड़ जुटती है। अवधूत भगवान राम का सई नदी के तट पर अवधूत स्मारक और आश्रम है।